

रायबरेली में धूमधाम से मना हिंदी दिवस, काव्य गोष्ठी में गूंजे हिंदी के स्वर

संवाददाता

रायबरेली। त्रिपुरा स्थित कलश उत्सव लॉन में हिंदी दिवस के अवसर पर रायबरेली काव्य रस साहित्य मंच भारत के तत्वावधान में भव्य काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन मंच के संस्थापक डॉ. शिवनाथ सिंह %शिव%, मार्गदर्शक डॉ. इंद्र बहादुर सिंह भदौरिया %इंद्रेश अवधी सम्राट% और केंद्रीय संगठन मंत्री डॉ. शिवकुमार सिंह %शिव% के संयुक्त प्रयास से किया गया। जिला इकाई के तत्वावधान में जिला अध्यक्ष डॉ.



अनिल सिंह पीपल के सानिध्य में

आयोजित इस कार्यक्रम में सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक कवियों ने

काव्य पाठ किया।

गोष्ठी में %हिंदी की वर्तमान स्थिति एवं भविष्य% विषय पर परिचर्चा हुई। कवियों ने हिंदी दिवस पर कविताएं, गीत, मुक्तक, दोहे और गजलें प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम का संयुक्त संचालन डॉ. शिवकुमार सिंह %शिव% और जगदंबा तिवारी %मधुर% ने किया। अध्यक्षता डॉ. इंद्रेश ने की, जबकि मुख्य अतिथि कृष्ण कुमार अवस्थी %श्याम% रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में अमेठी से जितेंद्र कुमार मिश्र %यायावर% और फतेह बहादुर सिंह %कसक% मौजूद रहे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में महावीर

स्टडी सर्किल के प्रधानाचार्य कमल किशोर बाजपेई और शिव बहादुर सिंह %दिलवर% ने शिरकत की। इस दौरान उपाध्यक्ष डॉ. श्रीराम मनोहर लाल, रमजान अली %सफीर%, अकबर खान, अभिमन्यु सिंह, कालीशंकर मिश्र, चंद्र प्रकाश शुक्ल, परमहंस मौर्य, डॉ. कमलेश कुमार जायसवाल %मित्र%, सचिन श्रीवास्तव, दिनेश कुमार सहित बड़ी संख्या में श्रोता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन अध्यक्षीय उद्घोषन और संस्थापक द्वारा आभार व्यक्त करने के साथ हुआ।

अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद के प्रदेश अध्यक्ष बने प्रभात साहू

महाराजगंज रायबरेली अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद ने महाराजगंज



नगर पंचायत के अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रभात साहू को संगठन का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। संगठन की ओर से उन्हें प्रदेश की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जाने की खबर मिलते ही समर्थकों और वैश्य समाज से जुड़े लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई ।प्रभात साहू को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी प्रयागराज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुमन गुप्ता ने सौंपी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्टॉप एवं न्यायालय शुल्क पंजीयन मंत्री रविंद्र जायसवाल सहित प्रदेश के कई प्रमुख पदाधिकारी वरिष्ठ नेता मौजूद रहे प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के बाद समर्थकों ने प्रभात साहू को बधाई देते हो उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। वहीं प्रभात साहू ने संगठन की ओर से मिली जिम्मेदारी के लिए राष्ट्रीय नेता का आभार जताते हुए कहा कि संगठन को प्रदेश में और मजबूत करने तथा वैश्य समाज के हितों और एकजुटता के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे उनके प्रदेश अध्यक्ष बनने से महाराजगंज क्षेत्र में भी समर्थकों और शुभचिंतकों में खासा उत्साह देखने को मिला लोगों ने इसे क्षेत्र के लिए गौरव की बात बताते हुए कहा कि प्रभात साहू के नेतृत्व से संगठन को प्रदेश स्तर पर नहीं मजबूती मिलने की उम्मीद है।

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू ने सौंपा ज्ञापन

डलमऊ, रायबरेली । मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन की तहसील स्तरीय मासिक बैठक के बाद किसानों की समस्याओं को लेकर



उपनिर्वाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। किसानों ने डलमऊ पंप कैनाल को बिना सूचना बंद किए जाने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि कैनाल बंद होने से धान की फसल की सिंचाई बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। किसानों ने क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती को दूर कराने तथा खेतों में आबारा पशुओं और जंगली गायों से फसलों को बचाने की मांग की। भाकियू के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो संगठन अनिश्चितकालीन पंचायत शुरू करेगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।बैठक में जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार यादव, जिला सचिव सुशील कुमार, ब्लॉक अध्यक्ष जयशंकर पांडेय, अनूप, अखिलेश, शीतला, नीरज व बच्चू लाल सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

पुरानी जगह पर बाजार लगाने को लेकर व्यापारियों ने सौंपा ज्ञापन

डलमऊ, रायबरेली। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल इकाई डलमऊ के अध्यक्ष रामगोपाल वैश्य ने पदाधिकारियों के साथ यूपी जिला अधिकारी डलमऊ प्रति



सिंह को ज्ञापन सौंपते हुए मुराई बाग कस्बे में लालगंज रोड पर पुनः साप्ताहिक बाजार लगाए जाने की मांग की है। एसडीएम को दिए गए ज्ञापन में व्यापारियों ने बताया कि लालगंज क्षेत्र के गंगासे में बने गंगापुल के मरम्मत कार्य के दौरान लालगंज रोड पर लगने वाली साप्ताहिक बाजार को अस्थायी रूप से डलमऊ रोड पर स्थानांतरित किया गया था। अब पुल का मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद यातायात सुचारु रूप से आरंभ हो चुका है, लेकिन लालगंज रोड पर लगने वाली शंकर नगर बाजार को पुराने स्थान पर नहीं किया गया है। व्यापारियों ने बताया कि डलमऊ रोड संकरा होने के कारण बाजार के दिन जाम और अव्यवस्था की स्थिति बनी रहती है। इस मार्ग पर सीएचसी, तहसील और कोतवाली के साथ प्रत्येक मास की अमावस्या एवं पूर्णिमा तथा विशाल कार्तिक पूर्णिमा मेला का आयोजन होता है। व्यापारियों ने जनहित में बाजार को पुनः लालगंज रोड पर लगाए जाने की मांग की है। इस मौके पर आशीष सोनी पुरषोत्तम शुक्ला इंदल सोनकर गोलू पट्टवा मोहम्मद जसीम राजकुमार विश्वकर्मा ।

पक्के आवास में रह रही महिला को जब नहीं मिला सरकारी आवास तो लगा दिया आरोप



संवाददाता

महाराजगंज रायबरेली। अपना हित साधने के लिए लोग किस हद तक गिर सकते हैं इसकी जीती जागती तस्वीर महाराजगंज में तब नजर आई जब रुद्र नगर निवासी महिला मीना द्वारा आवास के नाम पर चेंबरमैन पर १5000 लेने का आरोप लगाया गया। कुछ ही घंटे बाद महिला ने आरोपो को निराधार बताया सोशल मीडिया पर जब काग्रेसी नेता ने मौका पाया तो

भारतीय जनता पार्टी को बदनाम करने के लिए उन्होंने वीडियो चलाया। वही जब पड़ताल की गई तो पता चला कि महिला पहले से ही पक्के मकान में रह रही है और आवास का दबाव लगातार डाल रही थी । पात्रता की सूची में महिला का नाम नहीं आ रहा था क्योंकि उसका मकान पहले से ही बना था मना करने पर महिला बेबुनियाद आरोप लगाना शुरू कर दिया कि मुझसे १5000 लिए गए जिसका मकान पहले से ही बना हो

तो उसे आवास सरकारी कैसे मिल सकता है। लेकिन महिला को जब इन चीजों से फायदा मिलता नहीं दिखाई पड़ा तो उसने १5000 का आरोप लगा दिया महाराजगंज नगर पंचायत में पिछले 20 वर्षों से प्रभात साहू लगातार नगर की सेवा करते चले आ रहे हैं वहीं कुछ विरोधी जो उन्हें चुनाव में नहीं हरा पाते नए-नए षड्यंत्र रचा करते हैं और अध्यक्ष व नगर पंचायत को बदनाम करने के लिए किसी भी हद तक जा

सकते हैं। इसी का जीता जागता उदाहरण है कि महिला को भड़काने वाले भी यही लोग रहे होंगे कि ऐसा आरोप लगाओ तो नगर पंचायत और अध्यक्ष आपके सामने झुक जाएंगे लेकिन नगर की जनता ने जिसे पहले से ही अपना आशीर्वाद दे रखा है और लगातार देती चली आ रही है उसके खिलाफ ऐसे षड्यंत्रकारियों के एक भी षड्यंत्र सफल होते नजर नहीं आ रहे हैं लगातार नगर पंचायत की सेवा करते हुए हजारों आवासों की झड़ी हो या फिर महाराजगंज नगर को विकास के नए पथ पर आगे बढ़ना हो इसके लिए अध्यक्ष सरला साहू और प्रतिनिधि प्रभात साहू दिन-रात लगे रहते हैं और इसी का नतीजा है कि जनता लगातार 20 वर्षों से प्रभात साहू पर ही अपना भरोसा जताती चली आ रही है और दूसरों की तरफ देखती नहीं है यही विरोधियों की खल रहा है और वह नए-नए आरोप लेकर मार्केट में आते रहते हैं लेकिन जनता है कि उनके किसी भी षड्यंत्रों पर कभी भी भरोसा नहीं करती।

एमएलके कॉलेज के अंग्रेजी विभाग में ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

बलरामपुर । जनपद बलरामपुर में एमएलके पीजी कॉलेज के अंग्रेजी विभाग द्वारा मंगलवार को ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जानकारी के अनुसार 15 सितंबर को अंग्रेजी विभाग के सभागार मे प्राचार्य प्रो जनार्दन प्रसाद पाण्डेय के निर्देशानुसार तथा विभागाध्यक्ष डॉ रमेश कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में बी ए प्रथम सेमेस्टर, बी ए तृतीय सेमेस्टर तथा बी ए पंचम सेमेस्टर एवं एम ए प्रथम सेमेस्टर तथा एम ए तृतीय सेमेस्टर के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो जनार्दन प्रसाद पाण्डेय थे । कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मुख्य नियंता प्रो वीणा सिंह थीं ।। कार्यक्रम का प्रारंभ वैदिक मंगलाचरण, सरस्वती वंदना, दीप प्रज्वलन तथा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। वैदिक मंगलाचरण महिमा पाठक, पिंकी जयसवाल, मुस्कान तथा अर्चना ने मिलकर प्रस्तुत किया । सरस्वती वंदना तथा स्वागत गीत लक्ष्मी यादव, आरती, अपर्णा व दिव्यांशि ने प्रस्तुत किया । विभागाध्यक्ष डॉ रमेश कुमार शुक्ल ने विभाग के सभागार में मुख्य अतिथि प्रो जनार्दन प्रसाद पाण्डेय तथा विशिष्ट अतिथि मुख्य नियंता प्रो वीणा पाण्डेय का स्वागत परंपरागत ढंग से किया । अपने



सम्बोधन मे प्राचार्य प्रो जनार्दन प्रसाद पाण्डेय ने नवीन शिक्षा नीति के अंतर्गत रोजगारपरक कार्यक्रम तथा कौशल विकास कार्यक्रम के महत्व की जानकारी संक्षेप मे छत्र छात्राओ को दी । प्राचार्य प्रो पाण्डेय ने विभागाध्यक्ष डॉ रमेश कुमार शुक्ल को पिछले शैक्षणिक सत्र मे विभिन्न प्रकार के शैक्षणिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने हेतु बधाई दी । विभागाध्यक्ष डॉ शुक्ल ने अपने सम्बोधन मे अंग्रेजी भाषा लैब के विषय मे संक्षेप मे जानकारी दी । डॉ शुक्ल ने ओरिएंटेशन कार्यक्रम के महत्व की जानकारी संक्षेप मे छत्र छात्राओ को दी । डॉ शुक्ल ने कहा कि अंग्रेजी विभाग सम्पूर्ण शैक्षणिक सत्र मे विभिन्न प्रकार के शैक्षणिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

करता है जिससे छत्र छात्राओ के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है । छत्र छात्राओ से वार्तालाप करते हुए डॉ शुक्ल ने उनसे फीडबैक लिया तथा उनकी समस्याओं को सुना । डॉ शुक्ल ने स्नातकोत्तर के छत्र छात्राओ से कहा कि वे स्नातकोत्तर पुस्तकालय का अधिक से अधिक लाभ लें । डॉ शुक्ल ने विश्व प्रसिद्ध लेखक तथा चिंतक लियो टॉलस्टॉय के व्यक्तित्व एवम कृतित्व पर प्रकाश डाला । उन्होने टॉलस्टॉय की विश्व प्रसिद्ध उपन्यास % वार एण्ड पीस% के कुछ अंश को पढ़ा । डॉ शुक्ल ने टॉलस्टॉय का चिंतन तथा गांधी दर्शन पर इसका प्रभाव विषय पर भी अपने विचार संक्षेप मे प्रस्तुत किए। विशिष्ट अतिथि मुख्य नियंता प्रो वीणा सिंह ने अपने सम्बोधन मे सोशल मीडिया का उपयोग

सावधानीपूर्वक करने तथा नियमित रूप से प्रमाणिक पुस्तकों के अध्ययन के महत्व की जानकारी संक्षेप मे दी । कार्यक्रम मे डॉ बी एल गुप्ता , डॉ अभय नाथ ठाकुर तथा शिवम सिंह ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम मे छत्र छात्राओ ने भी अपने विचार रखे । इनमे प्रमुख है महिमा, अनम, सुरजीत, इकरा बानो, आरती, फलक, दिव्यांशी । मंच संचालन डॉ अभय नाथ ठाकुर ने किया । कार्यक्रम मे विभागाध्यक्ष डॉ रमेश कुमार शुक्ल ने सोशल मीडिया का उपयोग कम करने तथा प्रामाणिक पुस्तकों का नियमित अध्ययन करने के लिए छत्र छात्राओ को शपथ दिलाया । कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

जिले के दौरे पर पहुंचे प्रभारी मंत्री ने कंपोजिट विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

संवाददाता

बलरामपुर। मंगलवार को प्रदेश सरकार मे खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति राज्यमंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री सतीश चन्द्र शर्मा जनपद के एकदिवसीय भ्रमण पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पीएम श्री कम्पोजिट विद्यालय, धुसाह एवं परिसर में संचालित

आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया। राज्यमंत्री ने विद्यालय में उपलब्ध शैक्षिक सुविधाओं, पठन-पाठन की स्थिति, बच्चों के शैक्षिक स्तर तथा मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था का जायजा लिया। विद्यालय के निरीक्षण के दौरान राज्यमंत्री सीधे कक्षाओं में पहुंचे और बच्चों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने कक्षा 1, कक्षा 2 एवं कक्षा 5 के विद्यार्थियों से उनके पाठ्यक्रम से संबंधित प्रश्न पूछे। इसके

साथ ही सामान्य ज्ञान के प्रश्नों के माध्यम से बच्चों की जानकारी एवं समझ को परखा। उन्होंने बच्चों से उनकी पाठ्यपुस्तकों के पाठ पढ़वाकर उनके पठन कौशल एवं शैक्षिक गुणवत्ता की जानकारी ली। बच्चों द्वारा उत्साहपूर्वक प्रश्नों के उत्तर दिए जाने पर उन्होंने उनका उत्साहवर्धन किया तथा निरंतर सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का पूर्व विधायक ने किया जोरदार स्वागत



महाराजगंज रायबरेली। पूर्व विधायक रामलाल अकेला ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का बछरावां के मुख्य चौराहे पर 51 किलो की माला पहनाकर किया जोरदार स्वागत। कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार डॉ मनोज कुमार पांडे के द्वारा ऊंचाहार के चडराई चौराहे पर शिव महापुराण कथा का आयोजन करवाया गया है पंडित प्रदीप मिश्रा के मुखारविंद से श्रोता कथा का श्रवण कर रहे हैं । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी भी कथा में शामिल हुए कथा में शामिल होने जा रहे प्रदेश अध्यक्ष का लखनऊ प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग के बछरावां नगर मे पूर्व विधायक रामलाल अकेला अपने समर्थकों के साथ पंकज चौधरी को 51 किलो की माला पहनकर स्वागत किया। इस मौके पर नगर पंचायत बछरावां अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह उर्फ राम जी परमानंद चौधरी निजामुद्दीन मंसूरी पूर्व प्रधान राजू चंद्रमणि त्रिपाठी व्यापार मंडल अध्यक्ष सुनील सागर शिव शंकर प्रधान बालकृष्ण पांडे वीरभान सिंह अभिषेक वर्मा राजन सिंह राठौड़ प्रवेश कुमार वर्मा सुशील ठेकेदार विनोद कोटेदार अंशु शर्मा जीपी पटेल सुनील ललित चौधरी अमित चौधरी धीरेंद्र सिंह उर्फ गुड्डू पूर्व प्रधान प्रधान संघ अध्यक्ष महाराजगंज अरुण कुमार सिंह उर्फ दहू सिंह मोंगा सिंह बृजेश कुमार वर्मा मुकेश पटेल श्री चौधरी आशुतोष रावत विकास सोनो विनोद सिंह मयंक रंजन पूर्व सभासद छोटेलाल अरविंद पटेल राजू प्रधान खैहरना सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सैकड़ों बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचे पूर्व विधायक ने बांटी राहत सामग्री



महाराजगंज रायबरेली। लगातार बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचकर उनका दर्द जानकर राहत सामग्री बांटने का कार्य पूर्व विधायक बछरावां विधानसभा रामलाल अकेला द्वारा अनवरत जारी है। महाराजगंज तहसील व शिवगढ़ ब्लॉक क्षेत्र के दहीगावां मंजरे नयन गांव पहुंचे पूर्व विधायक रामलाल अकेला द्वारा अपने निजी स्रोतों से सैकड़ों किसानों को राहत सामग्री बांटी गई तथा मौजूद बच्चों में भी मिष्ठान बांटकर विधायक रामलाल अकेला ने उनका दर्द बांटने का कार्य किया बाढ़ की वजह से ज्यादातर किसानों की फसलें डूब चुकी है और उनके सामने रोजी-रोटी चलाने की समस्या खड़ी हो गई है। किसानों की सुध लेते हुए पहुंचे पूर्व विधायक रामलाल अकेला द्वारा सैकड़ों बाढ़ पीड़ितों के बीच राहत सामग्री बांटने का कार्य किया गया ।इस मौके पर ग्राम प्रधान पंकज शुक्ला बिहारी पासी ननऊ पासी रामनारायण पंडित बलवीर सिंह अमित मिश्रा पूर्व मंडल अध्यक्ष जीबी सिंह वर्तमान मंडल अध्यक्ष शिवगढ़ प्रधान संघ अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह मोंगा सिंह सहित हजारों लोग मौजूद रहे।

अनुशासनहीनता के आरोप में मुख्य आरक्षित निलंबित

बलरामपुर ।। जनपद बलरामपुर में अनुशासनहीनता, अमर्यादित आचरण एवं वरिष्ठ से अभद्रता बरतने पर पुलिस अधीक्षक मार्तण्ड प्रकाश सिंह ने मुख्य आरक्षी दीपक कुमार सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है । जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक मार्तण्ड प्रकाश सिंह ने जनपदीय पुलिस बल में अनुशासन एवं मर्यादा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए एक कड़ा निर्णय लिया गया है। पुलिस लाइन प्रशासनिक भवन स्थित गणना कार्यालय में थानाजात के लिए अपनी रवानगी रोकने के संबंध में मुख्य आरक्षी दीपक कुमार सिंह द्वारा गणना मेजर से अत्यंत अमर्यादित, अशोभनीय व्यवहार एवं अपशब्दों का प्रयोग किया गया, जो कि एक अनुशासित पुलिस बल के सदस्य के लिए घोर अनुशासनहीनता एवं कदाचार की श्रेणी में आता है। इस कृत्य से पुलिस विभाग की छवि धूमिल हुई है तथा यह कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही को दर्शाता है। पूरे घटनाक्रम का संज्ञान लेत हुए पुलिस अधीक्षक ने मुख्य आरक्षी दीपक कुमार सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

जिला स्तरीय बैडमिंटन चयन ट्रायल में टीटू वर्ल्ड स्कूल के 10 में से 7 खिलाड़ी चयनित

तुलसीपुर बलरामपुर ।। जनपद बलरामपुर के स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय जूनियर बालक बैडमिंटन चयन ट्रायल में टीटू वर्ल्ड स्कूल तुलसीपुर के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। जिले से चयनित 10 खिलाड़ियों में से 7 खिलाड़ी टीटू वर्ल्ड स्कूल के हैं। चयनित खिलाड़ियों में विराट शंकर मिश्रा, आर्यन चौरसिया, अरिज अफरोज, अक्षत आर्य, रुद्र प्रताप वर्मा, अश्मित सिंह एवं उज्ज्वल सोनी शामिल हैं। सभी खिलाड़ी 15 सितंबर को गोंडा में आयोजित मंडलीय चयन ट्रायल में प्रतिभाग करेंगे। इस उपलब्धि पर विद्यालय के निदेशक सिद्धांत सिंह सूर्यवंशी, प्रधानाचार्या ऋचा दीक्षित तथा खेल प्रशिक्षक शिवा सिंह ठाकुर ने चयनित खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

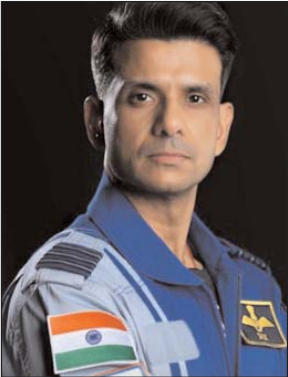
जीतपुर में छतों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन, हादसे का खतरा

तुलसीपुर बलरामपुर ।। जनपद बलरामपुर में तुलसीपुर विद्युत उपकेंद्र के अंतर्गत ग्रामीण इलाकों में बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। ग्राम पंचायत परसोतमपुर के मजरा जीतपुर में कई घरों की छतों के ठीक ऊपर से 11 हजार वोल्ट की हाई-टेंशन लाइन गुजर रही है। झूलते हुए तारों के कारण ग्रामीणों के घरों पर हर समय मौत का साया मंडरा रहा है। सबसे ज्यादा खतरा घर के मासूम बच्चों को है, जो अक्सर छतों पर खेलते हैं। जरा सी चूक किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।ग्रामीणों ने कई बार इसकी शिकायत विभाग से की है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोगों ने विभाग से जल्द से जल्द तारों को हटाने या ऊंचा कराने की मांग की है।

अल्फा-जेनजी दोनों स्मार्ट हैं, पढ़ेंगे तो देश के लिए बेहतर करेंगे : एस्ट्रोनाट शुभांशु शुक्ला

संवाददाता

लखनऊ । एस्प्रेन्ट श्वांशु सुखला ने गोमती बुक फेस्टिवल में अपनी किताब की लॉन्चिंग के साथ स्कूली बच्चों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने अपने अंतरिक्ष सफर, बच्चों की जिज्ञासा, परिवार और दोस्तों के सहयोग और नई पीढ़ी के सामने मौजूद अवसरों और चुनौतियों पर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बच्चों से कहा कि बड़े सपने देखने के साथ सही दिशा में लगातार प्रयास करना जरूरी है। अपनी किताब की लॉन्चिंग के बारे में श्वांशु सुखला ने बताया कि किताब का पहला अध्याय 25 बच्चों को दिखने में हुआ था, लेकिन वह इसे लखनऊ में भी लॉन्च करना चाहते थे, क्योंकि उनकी अपनी कहानी की शुरुआत इसी शहर से हुई है। श्वांशु ने कहा कि किताब लिखने के पीछे उनका उद्देश्य बच्चों को यह विश्वास दिलाना है कि सफलता की यात्रा कहीं से भी शुरू हो



क्योंकि उनकी अपनी कहानी की शुरुआत इसी शहर से हुई है। शुभांशु ने कहा कि किताब लिखने के पीछे उनका उद्देश्य बच्चों को यह विश्वास दिलाना है कि सफलता की यात्रा कहीं से भी शुरू हो

जलभराव को लेकर अलर्ट मोड में रहें नगरीय निकाय

लखनऊ 15 सितंबर।उत्तर प्रदेश में बारिश के दौरान जलभराव की समस्या से आमजन को राहत दिलाने के लिए योगी सरकार ने नगरीय निकायों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए हैं। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री अखिल कुमार शर्मा ने प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में जल निकासी व्यवस्था की नियमित निगरानी और संवेदनशील इलाकों में पहले से इंजायाम के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।मंत्री एके शर्मा ने अधिकारियों से कहा कि वाराणसी सहित प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में जल निकासी व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। प्रत्येक संवेदनशील क्षेत्र को चिन्हित कर वहां नालों, सीवर लाइनों और पम्पिंग स्टेशनों की स्थिति की पहले से समीक्षा की जाए। जहां कहीं भी जल निकासी की व्यवस्था में कमी दिखाई दे, वहां तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जाए। अधिकारी संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों में पहले से आवश्यक तैयारियां पूरी रखें।नगर विकास मंत्री ने स्पष्ट किया कि शासन की ओर से अधिकारियों को पर्याप्त संसाधन और दिशा-निर्देश उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ऐसे में कार्यों के क्रियान्वयन में लापरवाही या उच्चाधिकारियों के निर्देशों की अनदेखी स्वीकार नहीं होगी। लापरवाही सामने आने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय करते हुए कठोर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार नागरिकों को बेहतर, सुगम और सुरक्षित नगरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रबलबद्ध है। वाराणसी जैसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण शहर में जल निकासी, सीवर और स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाना सरकार की प्राथमिकता है। जलभराव के तत्काल समाधान के साथ इसके स्थायी निराकरण के लिए भी प्रभावी कार्ययोजना पर काम किया जा रहा है। योगी सरकार की प्राथमिकता आमजन को राहत और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। वाराणसी में कार्रवाई जवाबदेही का संदेश है कि जनहित के कार्यों में जिम्मेदारी से समझौता करने वालों के खिलाफ शासन सख्त कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा।

बुनकरों के हुनर को सरकारी बाजार, अस्पतालों में गूँजेगी हथकरघे की पहचान

लगभग 15 सिबंवार। योगी सरकार हथकरघा क्षेत्र को मजबूत करने और बुनकरों को उनके उत्पादों के लिए स्थायी बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल कर रही है। अब सरकारी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और अन्य चिकित्सा संस्थानों में इस्तेमाल होने वाले हथकरघा निर्मित उत्पादों की खरीद के जरिए प्रदेश के बुनकरों को बड़ा और सुनिश्चित बाजार उपलब्ध कराने की तैयारी है। इससे सरकारी संस्थानों की जरूरतें पूरी होने के साथ बुनकर परिवारों को नियमित रोजगार और आर्थिक मजबूती मिलने का रस्ता तैयार होगा। खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, तिलक मार्ग, डालीबाग स्थित सभाकक्ष में खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग में प्रयुक्त होने वाले हथकरघा उत्पादों की खरीद एवं आपूर्ति व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक हुई। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुपालन में सरकारी चिकित्सा संस्थानों में हथकरघा निर्मित बेडशीट और गॉज बैंडेज की खरीद एवं आपूर्ति की कार्ययोजना पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। श्री सचान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपूर्ति व्यवस्था को शीघ्र अंतिम रूप दिया जाए। सरकार का उद्देश्य सरकारी खरीद को केवल सामान की खरीद तक सीमित रखना नहीं बल्कि इसके माध्यम से बुनकर परिवारों को निरंतर रोजगार, स्थायी बाजार और आर्थिक मजबूती देना है। सरकारी संस्थानों में स्थानीय बुनकरों द्वारा निर्मित उत्पादों की खरीद बढ़ने से बुनकर क्षेत्र को नई गति मिलने की उम्मीद है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत उत्तर प्रदेश राज्य हथकरघा निगम लिमिटेड के माध्यम से सरकारी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और अन्य चिकित्सा संस्थानों में आवश्यकतानुसार बेडशीट, तकिया कवर और गॉज बैंडेज क्लॉथ की आपूर्ति की जाएगी। चिकित्सा संस्थानों को उपलब्ध कराने वाले उत्पाद निर्धारित मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाले होने चाहिए। प्राथमिकता के आधार पर अंतिम रूप देने और आवश्यक दिशा-निर्देश शीघ्र जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग अनिल सागर, विशेष सचिव शेषमणि पांडेय, संयुक्त आयुक्त पीसी ठाकुर सहित चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

वीबी जी राम जी योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाएं अधिकारी

परवर्तन 15 सितम्बर। उपमुख्यमंत्री केवल प्रसाद मोयं ने ग्राम्य विकास विभाग के उच्च अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता कर वीबी जी राम जी योजना के मुख्यालय एवं जिला स्तरीय क्रियाव्यवण की समीक्षा की। उपमुख्यमंत्री ने योजना की प्रगति का ब्योरा लिया और निर्देश दिया कि डबल इंजन सरकार की मंशा के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। जनप्रतिनिधियों एवं पंचायतों की सुदृढ़ सहभागिता उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि वीबी जी राम जी योजना में को धरातल पर प्रभावी रूप से लागू करने तथा स्थानीय निकायों की भूमिका सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रत्येक जनपद में पंच सम्मेलन का आयोजन किया जाए। इन सम्मेलनों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों सांसदों, विधायकों, जिला व क्षेत्र पंचायत सदस्यों और ग्राम पंचायतों की सक्रिय भागीदारी की जाए, जिससे विकास योजनाओं में जन-सहभागिता और पारदर्शिता बनी रहे। आगामी त्योहार के दृष्टिगत वीबी जी राम जी योजना के कार्य आर्वटन एवं निष्पादन में तेजी ग्राहीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और रोजगार सृजन के उद्देश्य से उन्होंने निर्देश दिया कि ब्लॉक स्तर पर पंजीकृत कार्ड धारकों को कार्यों में तेजी लाते हुए तत्काल कार्य आर्वटन किए जाए। ब्लॉक स्तर के अधिकारी स्वयं निगमनी रखे ताकि किसी भी पात्र कार्ड धारक को कार्य प्राप्त करने एवं मजदूरी के भुगतान में अनावश्यक किलंबन न हो। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को ताकीद करते हुए कहा कि योजना के क्रियाव्यवण में लापरवाही पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। ढिलाई, हीलाहवाली या अनियमितता को कार्ड

सकती है। अपनी यात्रा का उद्देश्य देते हुए उन्होंने कहा कि उनकी शुरुआत ही एक क्लासिक से हुई थी। उसमें यह उनसे लिए अंतर्निहित तत्त्व पहचाना संभव हुआ है तो आज स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों के लिए भी बड़े लक्ष्यों को हासिल करना संभव है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अधिक से अधिक बच्चे उनकी किताब पढ़ेंगे और उससे प्रेरणा लेकर भविष्य में देश के लिए बेहतर काम करेंगे। गोमती बंग फेस्टिवल में शुभांशु शुक्ला के अपने स्कूल के अलावा दूसरे स्कूलों के विद्यार्थी भी बड़ी संख्या में पहुंचे। बच्चों ने उनसे अंतर्निहित विज्ञान, करियर और आगे बढ़ने के तरीकों को लेकर सवाल पूछे। उन्होंने बताया कि बच्चों के सवाल काफी व्यावहारिक थे। विद्यार्थी जानना चाहते थे कि वे किस तरह आगे बढ़ सकते हैं और अंतर्निष्ठ जैसे क्षेत्रों में किस प्रकार भागीदारी कर सकते हैं। बच्चों के सवालों से यह स्पष्ट है कि उनमें इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की जिज्ञासा और इच्छा मौजूद है। अब जिम्मेदारी बढ़ने की है कि बच्चों के लिए ऐसा इकोसिस्टम तैयार किया जाए, जिसमें स्कूल से निकलने के बाद वे विज्ञान, तकनीक और अंतर्निष्ठ जैसे क्षेत्रों में भारत के विकास में योगदान दे सकें।

नई पीढ़ी की क्षमताओं पर बात करती हूँ। शुभांशु शुक्ला ने कहा कि उन्हें नहीं लगा कि एक पीढ़ी दूसरी से ज्यादा सक्षम है। उनके मुताबिक अल्फा और ओमेगा दोनों ही स्मार्ट और संभावनाओं से भरी पीढ़ियाँ हैं। जरूरत उन्हें सही दिशा देने में उनकी ऊर्जा को सकारात्मक लक्ष्यों की

कि वह किस तरह आगे बढ़ सकते हैं और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में किस प्रकार भागीदारी कर सकते हैं। बच्चों के सवालों से यह स्पष्ट है कि उनमें इस क्षेत्र में अगले बढ़ने की जिज्ञासा और इच्छा मौजूद है। जबकि जब जिम्मेदारी बढ़े की है कि बच्चों के लिए एस ईकोसिस्टम तैयार किया जाए, जिसमें स्कूल से निकलने के बाद वे विज्ञान, तकनीक और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में भारत की विकास में योगदान दे सकें। वहीं पीढ़ी की क्षमताओं पर बात करके हमें अनुशासित श्रुति ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि एक पीढ़ी दूसरी से ज्यादा सक्षम है। लेकिन उनके मूलभूत अल्फा और जेजो दोनो ही स्मार्ट और संभावनाओं से धरी पीढ़ियाँ हैं। जरूरत उन्हें सही दिशा देने और उनकी ऊर्जा को सकारात्मक लक्ष्यों की

आर लपाने की है। आज के दौर में बच्चों के सामने अवसरों की कमी नहीं है। उनके पास जानकारी, तकनीक और कई उपकरण के संसाधन आसानी से उपलब्ध हैं, लेकिन इसी के साथ बहुत सारे ध्यान भटकाने वाली चीजें भी हैं। ऐसे माहौल में सबसे बड़ी चुनौती यह तय करना है कि किस चीज पर ध्यान केंद्रित किया जाए। शुभांशु शुक्ला ने कहा कि बच्चों के साथ संवाद के दौरान उनकी जिज्ञासा साफ दिखाई दे। उन्हें अपने भविष्य को लेकर कई सवाल हैं और वे जानना चाहते हैं कि किस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। बच्चों तक सही और विश्वसनीय जानकारी पहुंचाना समाज की ज़म्मेदारी है। अपने अतीतमय मिशन और व्यक्तित्व यात्रा के पीछे परिवार और दोस्तों की

पूँजीक के सवाल पर शुभांशु बुलका ने कहा कि किसी भी व्यक्ति की सफलता केवल उसकी व्यक्तिगत मेहनत का परिणाम नहीं होती। इसके पीछे परिवार, मित्रों और पूरे टीम का योगदान होता है। अपने मिशन का उद्देश्य करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें हजारों लोगों की मेहनत शामिल रही। इसरो की टीम, एक्सपर्टों की टीम, उनके मित्रों और खास तौर पर परिवार ने उनका लगातार सहयोग किया। इन लोगों के समर्थन के बिना इस तरह की उपलब्धियाँ हासिल करना संभव नहीं होता। उन्होंने बच्चों को संदेश देते हुए कहा कि परिवार और दोस्तों को अपनी सफलता की यात्रा का हिस्सा बनाया चाहिए। जीवन में कभी-कभी परिस्थितियाँ अनुकूल नहीं होतीं

पार्टी के बाद शिवपाल से छिना लोहिया ट्रस्ट, अखिलेश यादव पर राजभर-कश्यप ने साधा निशाना

संवाददाता



सदस्यों के बीच ही केंद्रित रहना

संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के हाथों अब लोहिया ट्रस्ट की कमना होगी। अब तक इसकी कमना पूर्व कैबिनेट मंत्री और उनसे चाचा शिवपाल सिंह यादव के हाथों थी। शिवपाल सिंह यादव से कमना लिए जाने को लेकर भाजपा ने सपा पर निशाना साधा है। यौगी सरकार के मंत्री ओपी राजभर और नरेंद्र कश्यप ने इसे लेकर अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि अखिलेश यादव को शिवपाल यादव पर भरोसा नहीं है, इसलिए उनसे ट्रस्ट की कमना ले ली गई। यौगी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओपी राजभर ने इस बदलाव को लेकर अखिलेश यादव पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को शिवपाल यादव पर भरोसा नहीं है। राजभर ने शिवपाल के पुराने राजनीतिक रूख का जिक्र करते हुए कहा कि अखिलेश यादव को शिवपाल



यादव जौ पर भरोसा नहीं है। इससे पहले शिवपाल यादव अखिलेश यादव को छोड़कर चले गए थे। उन्होंने अपना खुद की पार्टी बना ली थी। उस दौरान उन्होंने सपा को क्या-क्या नहीं कहा-चोर-उचकें की पार्टी बताया, शराब-मार्फियाओं की पार्टी, जमीन हड़पने वाली पार्टी तक बताया था। ऐसे में अखिलेश यादव शिवपाल यादव पर कैसे ट्रस्ट करेंगे? इसलिए उन्होंने शिवपाल यादव से लोहिया ट्रस्ट की

अयोध्या में इंटरनेशनल राम कथा म्यूजियम का काम तेज, 20 गैलरियों के लिए टेंडर 10 अक्टूबर से : नृपेंद्र मिश्रा

अयोध्या । श्री राम जन्मभूमि मंदिर
निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा
ने मंगलवार को अयोध्या में राम मंदिर

चर्चा होगी। म्यूज़ियम का सबसे बड़ा काम अब शुरू होने वाला है। हर गैलरी के लिए 10 अक्टूबर से टेंडर



निर्माण का लेकर होनी वाली बैठक और अंतर्राष्ट्रीय राम कथा संग्रहालय, नए सीईओ जीतेंद्र मिश्रा के बारे में मीडिया से बात की। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा है कि आज म्यूजियम पर भी

जारी किए जाएंगे। कुल 20 गैलरी हैं, गैलरी 1, गैलरी 2, वगैरह। हर गैलरी की थीम तय हो चुकी है और कहानी (स्टोरीलाइन) भी फाइनल हो गई है। उन्होंने कहा कि हमारे डायरेक्टर संजीव कुमार सिंह ने पूरी कहानी तैयार करने में बहुत मेहनत की है।

बीजेपी के गढ़ में समाजवादी पार्टी करेगी दलित सम्मेलन और महाधिवेशन

खजुर 15 सितम्बर। यूपी में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी ने चुनावी बिसत बिछानी शुरू कर दी है। लोकसभा चुनाव में पीडीए यांनी पिछड़ा, दलित और अपसंख्यक समीकरण के सहारे मिली कामयाबी के बाद अखिलेश यादव अब इसी सामाजिक समीकरण को विधानसभा चुनाव तक मजबूत करना चाहते हैं। सपा ने दो ऐसे इलाकों को चुना है, जहां बीजेपी का दबदबा है। यहाँ सामाजिक समीकरण बेहद महत्वपूर्ण है पहला है आगरा, जहाँ 15 नम्बर को पीछेमी उत्तर प्रदेश का दलित समेलेखन प्रस्तावित है, दूसरा है गोरखपुर, जहाँ दीवाली के आसपास सपा का राष्ट्रीय अधिवेशन करने की तैयारी है। अखिलेश आगरा में सपा के दलित वोट बैंक में संघ और गोरखपुर में बीजेपी के मजबूत निकलने के सामाजिक समीकरण के जरिए संघेमारी करना चाहते हैं।आगरा में 15 नम्बर को होने वाला दलित समेलेखन समाजवादी पार्टी के लिए सिर्फ संसदीयताक कार्यक्रम नहीं है।इसकी कमान सपा के राष्ट्रीय महासचिव आरजाजीलाल सुमन को दी गई है और उन्हें समेलेखन का संयोजक बनाया गया है।आगरा का दलित राजनीति के सबसे लिलाज सं उत्तर प्रदेश के सबसे महत्वपूर्ण केंद्रों में गिना जाता है। 2011 की जनगणना के मुताबिक आगरा में अनुसूचित जाति की आबादी करीब 22.43 प्रतिशत है। करीब हर

अनुसूचित जाति समुदाय से आता है। और इस पूरे क्षेत्र में जाटव समुदाय की राजनीतिक भूमिका सबसे महत्वपूर्ण रही है। हाथीवह वोटर बैंक है, जिसे लंबे समय से समाज तक बहुजन समाज पार्टी का मजबूत आधार माना जाता रहा। पिछड़ी यूपी के कई जिलों में दलितों की आजादी अच्छी खासी है। दलित वोटों को संधान के लिए अखिलेश ने आगरा को इस वजह से भी चुना है, क्योंकि वह पश्चिम यूपी का पुराना संरक्षित क्षेत्र है। 2007 और 2012 के विधानसभा चुनाव में सप्पान ने आगरा की छहह सीटों पर जीत दर्ज की थी। 2012 में भी सप्पान आजादी पार्टी भी बाह सीट जीतने में सफल रही थी, लेकिन 2017 में कांग्रेस के साथ गठबंधन और 2022 में राष्ट्रीय लोकदल के साथ गठबंधन सप्पान को आगरा में खाना नहीं खुला। 2020 चुनाव में बीजेपी ने आगरा की सभी नौ विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज की। 2022 में ब्रजपा अपना खाना नहीं खोला। 2024 में आगरा के संसुखित लोकसभा सीट पर सप्पान के सुमुरेश चंद कदम दूसरे स्थान पर रहे। फतेपुर सीट की लोकसभा सीट पर कांग्रेस के रामनाथ सिकरवार दूसरे स्थान पर रहे। सप्पान को उम्मीद है कि लोकसभा चुनाव में जिस तरह पीडीए का समर्थन मिला, विधानसभा चुनाव में उसी सामाजिक गठजोड़ को दोहराना जा सकता है। 1950 और 1960 के दशक से ही यहां दलित संगठन और

सामाजिक आंदोलन सक्रिय रहे जावत समाज के बीच अंबेडकरवादी चेतना ने राजनीतिक पहचान को मजबूत किया। काशीराम के संगठनात्मक प्रयोगों और बहुजन समाज पार्टी की राजनीति को भी इस क्षेत्र से बड़ी ताकत मिली। एपा के समर्थन के अलावा सोचीसमझी राजनीतिक रणनीति माना जा रहा है। आगरा और आसपास के जिलों में जाटव आबादी का अनुमान काफी बड़ा है। आगरा के अलावा मथुरा, मैथपुरी, फिरोजबाद, इटावा और हाथरस जैसे जिलों में भी जाटव समुदाय की सदस्यता कई सदियों पर चुनौती गणित को प्रभावित करती हैं। अनुमान है कि आगरा में जाटव करीब 23 प्रतिशत, इटावा में करीब 25 प्रतिशत, हाथरस में करीब 24 प्रतिशत, मथुरा में करीब 20 प्रतिशत, मैथपुरी में करीब 19 प्रतिशत और फिरोजबाद में करीब 21 प्रतिशत तक हैं। अखिलेश यादव की कोशिश हो सकती है कि बसपा के भीतर पैदा हो रहे राजनीतिक असमंजस को रीथिती का लाभ उठाया जाये। अखिलेश यादव की रणनीति को दूसरा बड़ा पड़ाव गोरखपुर में होना। समाजवादी के आसपास गोरखपुर में दीवानवादी पार्टी का राष्ट्रीय अधिेशन करने की तैयारी है, क्योंकि गोरखपुर सिर्फ पूर्वांचल का बड़ा शहर नहीं है। मुछमंत्रि योगी आदिनाराथन का राजनीतिक गढ़ है और यही वजन है कि गोरखपुर में राष्ट्रीय अधिवेशन कर अखिलेश यादव सिधे एक

राजनीतिक संदर्भ देना चाहते हैं। पिछले चुनाव में गोरखपुर मंडल की 28 सीटों में 27 पर बीजेपी जीती थी। इस सीट क्षेत्र में बीजेपी और उसके सहयोगियों का बेहद मजबूत प्रभाव रहा है। सपा के लिए भाई चुनौती है। पूर्वोत्तर में सपा का प्रभाव कई इलाकों में मजबूत रहा है, लेकिन गोरखपुर मंडल में बीजेपी की पकड़ मजबूत है। अखिलेश की जनता उन सामाजिक समूहों पर है, जो बीजेपी के सामाजिक आधार का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। निषाद, कुर्मी और ब्राह्मण, गोरखपुर और आसपास के राज्यों में निषाद मतदाता खासा प्रभाव रखते हैं। निषाद पार्टी बीजेपी की सहयोगी है। सपा की कोशिश हो सकती है कि निषाद समाज के भीतर स्थानीय स्तर पर मौजूद नाराजगी को अपने पक्ष में जगह दी जाए। गोरखपुर में निषाद समाजवादी पार्टी की रणनीति का एक और महत्वपूर्ण पहलू ब्राह्मण राजनीति हो सकता है। पूर्वोत्तर की राजनीति में पंडित हरिश्चंद्र तिवारी का नाम लंबे समय तक प्रभावशाली रहा। उनके परिवार और राजनीतिक विरासत के जरिए सपा पहले भी ब्राह्मण मतदाताओं के मंदिर संदर्भ पहुंचाने की कोशिश करती रही है। गोरखपुर में राष्ट्रीय अविश्वेस के लिए जरिए अखिलेश यादव और ब्राह्मण समाज के बीच स्वीकार्यता बढ़ाने में सफल होते हैं, तो इसका अरपर मतदाता को सीमित नहीं रहेगा। बख्खरी, आनामहा और अयोध्या मंडल में भी सियासी मैसरेज जा सकता है।

सीएम आज गोरखपुर में कल्याण मंडपम का करेंगे लोकार्पण

गोरखपुर/गोरखपुर 5 सितंबर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी विधायक निधि से गोरखपुर विकास प्राधिकरण जीडीए द्वारा बनवाए गए कल्याण मंडपम का लोकार्पण 16 सितंबर को अपराह्न में करेंगे। समाज के अल्प और मध्यम आय वर्ग के लोगों के मांगलिक-पारिवारिक आयोजनों के लिए मैरिज हाउस का रियायती विकल्प देने के लिए वार्ड नंबर 54 उर्वरक नगर के जंगल नक़्शा नंबर 2 में यह भव्य 'कल्याण मंडपम' बनकर तैयार। इसके पहले मुख्यमंत्री ने 29 अगस्त को बशरातपुर में कल्याण मंडपम का उद्घाटन दिया था। सोमयोंगरी के ईज ऑफ़ लिविंग जीवन सुगमता विजन के अनुरूप गोरखपुर में वार्ड स्तर पर सर्वसुविधायुक्त कल्याण मंडपम की श्रृंखला खड़ी हो रही है। समाज के हर वर्ग के जीवन में सुगमता लाने के लिए योगी सरकार ने बीते साढ़े नौ वर्षों में आधारभूत संरचना के सुदृढीकरण से लेकर जनकल्याण तक कई पहल की है। कल्याण मंडपम की मुख्यमंत्री की परिकल्पना भी इसी कक्षा का हिस्सा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर विकास प्राधिकरण जीडीए और नगर निगम को यह विजन दिया था कि वे निम्न और मध्यम आय वर्ग के लोगों को उनके मांगलिक आयोजनों के लिए कल्याण मंडपम बनाने मैरिज हाउस का बेहतरीन विकल्प दें। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद कल्याण मंडपम का निर्माण शुरू हुआ। कल्याण मंडपम को पहले के साथ ही मुख्यमंत्री ने अपनी विधायक निधि से धनराशि की व्यवस्था भी कराई। गोरखपुर में अब तक सात कल्याण मंडपम का लोकार्पण मुख्यमंत्री के हाथों हो चुका है और आठवें का लोकार्पण बुधवार 16 सितंबर को जंगल नक़्शा नंबर 2 में होने जा रहा है। जीडीए के उपाध्यक्ष अनिधन गोपाल ने बताया कि वार्ड नंबर 54, उर्वरक नगर के अंतर्गत जंगल नक़्शा नंबर 2 में कल्याण मंडपम का निर्माण 2461 वर्गमीटर भूमि पर 3.08 करोड़ रुपये की लागत से कराया गया है। आधुनिक शहरी सुविधाओं और आकर्षक वास्तुकला से सुसज्जित कल्याण मण्डप दो तल में बना है जहां 300 व्यक्तियों की क्षमता के विभिन्न मांगलिक, सामाजिक और उत्सवी आयोजन किए जा सकते हैं। कल्याण मंडपम में बड़े हाल के साथ किचन, स्टीयर, ऑफिस, चेंज रूम और दोनों तलों पर महिलाओं एवं पुरुषों के लिए अलग-अलग टॉयलेट बनाए गए हैं।

खेती का मॉडल पेश करें कृषि विज्ञान केंद्र- शाही

सहित हैं यहां वैज्ञानिकों द्वारा किये जा रहे शोध व नवाचार केवल प्रक्षेत्रों तक सीमित न रहकर किसानों के खेतों में वास्तविक बदलाव के रूप में दिखने लगे हैं। चाहिए। हमारा ध्येय है हम हाल में किसान को लाभान्वित करना होगा चाहिये। और प्रत्येक केवीके को एक आदर्श मॉडल के रूप में विकसित किया जाय। यह निर्देश उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने मंगलवार को कृषि भवन सम्भाग में प्रदेश के सभी 89 कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों एवं बैकूट में केंद्रों की गतिविधियों, सभी परिजनाओं के सुचारु संचालन, आगामी रबी सीजन की रणनीति तथा विकसित भारत अभियान के अंतर्गत स्थानीय स्तर पर दलहन व तिलहन उत्पादन को प्रोत्साहित करने पर विस्तृत चर्चा की। कृषि मंत्री ने वैज्ञानिकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे निर्धारित मांझूल के अनुसार कार्य करते हुए केंद्रों पर व्यावहारिक गतिविधियों को तेजी से बढ़ाव। उन्होंने कहा कि देरी से बुवाई लेट सोझं की प्रवृत्ति का हमें हाल में बदलना होगा, क्योंकि इससे फसलों के उत्पादन और उत्पादकता दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। किसानों में लय से बुवाई, इन्टर-गुड्राई और कटाई के लिए प्रेरित किया जाय तथा खेतों में साइड सोझं, ड्रिफ्ट क्राफिंग सेहफसली खेती और बॉर्डर लाइनिंग जैसी उन्नत पद्धतियों को अनावरण से लागू कराया जाय। वैज्ञानिक अपने प्रक्षेत्रों के साथ-साथ किसानों के खेतों पर सजीव प्रदर्शन कारक इन उन्नत कृषि क्रियाओं को अपनाने में किसानों का सक्रिय सहयोग करें। उन्होंने यह भी आश्चर्य किया कि वैज्ञानिकों के समक्ष अपने वाली नीतिगत एवं तकनीकी चुनौतियों का शासन स्तर पर तत्परता से समाधान किया जाएगा। श्री शाही ने व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और परिणामोन्मुखी बनाने के लिए कृषि विश्वविद्यालयों के स्तर पर केवीके की नियमित रैंकिंग करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि उच्च स्तर पर कम से कम प्रश्नों दो माह में कृषि विज्ञान केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सरकार बजट संचालित वेलेफेयर स्कीम को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में केवीके महत्वपूर्ण कड़ी बनें। वर्तमान में खुले बीज पोर्टल, कृषि यंत्र पोर्टल तथा 75 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराए जा रहे माइक्रो-यूटिलिटीस के बारे में किसानों के बीच व्यापक जागरूकता फैलाई जाय। इसके अतिरिक्त उन्होंने 17 सितंबर को सेवा संकल्प अभियान के अवसर पर व्यापक स्वच्छता अभियान चलाने तथा प्रदेश के सभी विकासखंडों में पांच दिवसीय किसान मेलों के सफल आयोजन में केवीके की सक्रिय सहभागिता तय करने के निर्देश दिए। रूस समीक्षा बैठक में कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख, प्रमुख सचिव ईरॉड, विशेष सचिव लाल बहादुर यादव, बांद कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति एसबीएस राजू, मेरठ कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति त्रिवेणी दत्त, कानपुर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति संजोय गुप्ता, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह, निदेशक कृषि श्री टीएम त्रिपाठी सहित 89 कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक एवं कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

अभियंताओं की दक्षता, गुणवत्ता और नवाचार से मिलेगी प्रदेश के विकास को नई गति- स्वतंत्र देव

लखनऊ 15 सितंबर।भारतल ई. माक्षुण्डम विश्वक्षरैया को 16वे जनादिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश ईजीनियर्स एसोसिएशन द्वारा राम नरेश लोहिया परिकल्प भवन प्रसंगृह सिंघाई विभाग तेलीबाग लखनऊ में अभियंता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में एसोसिएशन की प्रतिका 'विश्वक्षरैया विशेषांक' एवं लोक निर्माण विभाग की प्रतिका 'प्रज्ञता' का विमोचन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के विकास में उत्कृष्ट योगदान देने वाले अभियंताओं को सम्मानित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने अभियंताओं को अभियंता दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारतलर एम. विश्वक्षरैया का जीवन दूरदृष्टि, अनुशासन, तकनीकी दक्षता और शष्ट निर्माण की प्रेरणा देता है। अभियंता केवल सडहर, पुल, भवन और नहरों का निर्माण नहीं करते, बलिक जनजीवन को बेहतर बनाने, आर्थिक गतिविधियों को गति देने और विकास के अवसरों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अभियंताओं को गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आधुनिक तकनीक, नवाचार और कुशल प्रबंधन का उपयोग करना चाहिए। सरकार का संकल्प है कि विकास परियोजनाएं समय से पूर्ण हों, लागत नियंत्रित रहे और उनका अधिकतम लाभ जनता को मिले। उन्होंने कहा कि अभियंत्रण क्षेत्र की दक्षता और प्रतिबद्धता से प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है।इससे पूर्व जलशक्ति मंत्री ने उदयगंज स्थित सिंघाई विभाग मुख्यालय परिसर में भारतलर डॉ. एम. विश्वक्षरैया की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया।

स्तव, निवर्तमान अध्यक्ष सरजीत निरंजन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सी

मंगलम, महासचिव आशीष यादव, आंतरिक महासचिव शशांक पांडेय, संगठन सचिव अभिषेक यादव सहित विभिन्न अभियंत्रण विभागों, निगमों एवं सार्वजनिक उपक्रमों के विभागाध्यक्ष, प्रमुख अभियंता तथा बड़ी संख्या में अभियंताओं ने प्रतिभाग किया।

केपटाउन पहुंचे महाना, सीपीए के

सम्मेलन में लिया भाग

लखनऊ 15 सितम्बर।उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना के पटाउन पहुंचे। केप टाउन दक्षिण अफ्रीका में आयोजित कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन सीपीए के वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सहभागिता की। इस अवसर पर विभिन्न देशों के राष्ट्रमंडल सदस्य देशों के पीठासीन अधिकारियों एवं भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ आत्मीय मुलाकात की।

सम्पादकीय

तो अब शुभेंदु करेंगे गरबा मर्यादा की भी रक्षा?

अब सब हैं कि सेक्‍युलर तालिबानी आवाजों के विरुद्ध हिंदुओं को चाहिए कि अपना अंगद समान पैर जमाया जाए। बंगाल से सीख ली जाए, जहाँ तेजस्‍वी वीर हिंदू नायक मुख्‍यमंत्री शुभेंदु अधिकारी दुर्गा पूजा को उसकी पूल गरिमा लौटाने का प्रयास कर रहे हैं। उनसे सीखकर गरबा को पतन से बचाया जाए।

जिस प्रकार शुद्ध हिंदू उत्सव गरबा में गैर हिंदुओं को शामिल करने की विक्‍त सेक्‍युलर आवाजें उठने लगीं हैं उनको देखते हुए लगता है कि मुख्‍यत: गुजरात और महाराष्‍ट्र में होने वाले गरबा उत्सवों की मर्यादा रक्षा के लिए तेजस्‍वी हिंदू ध्वज वाहक एवं पश्चिम बंगाल के महानायक मुख्‍यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की सहयाता मांगने का समय आ गया है .

अब सब हैं कि सेक्‍युलर तालिबानी आवाजों के विरुद्ध हिंदुओं को चाहिए कि अपना अंगद समान पैर जमाया जाए। बंगाल से सीख ली जाए, जहाँ तेजस्‍वी वीर हिंदू नायक मुख्‍यमंत्री शुभेंदु अधिकारी दुर्गा पूजा को उसकी मूल गरिमा लौटाने का प्रयास कर रहे हैं। उनसे सीखकर गरबा को पतन से बचाया जाए।

गरबा शक्ति की उपासना से जुड़ा पारंपरिक हिंदू पूजा-स्‍वरूप है। यह धनकुबेरों और हिंदू-भावना विहीन भीड़ के लिए मस्‍ती-मस्‍ती का कार्निवल नहीं है। गरबा कोई सेक्‍युलर मनोरंजन ंमेला+ नहीं है। यह माँ अम्‍बा की भक्ति का हिंदू प्रतीक है। जो माँ दुर्गा की पूजा नहीं करते, जो उनके सामने शीश नहीं झुकाते, उनको गरबा में शामिल होने का कोई अधिकार नहीं।

गरबा= शब्‍द संस्‍कृत शब्‍द ‘गर्भ’= से निकला है। पारंपरिक रूप में नर्तक एक घेरे में गर्भ दीप-छेंदों वाले मिट्टी के घड़े में जलते दीये –या देवी की मूर्ति के चारों ओर नृत्य अ्‍यर्थना करते हैं। दीपक जीवन-शक्ति, शरीर के भीतर दिव्‍य उपस्थिति और देवी की सृजन-शक्ति का प्रतीक है। वृत्ताकार गति हिंदू चिंतन में काल के चक्र–सृष्टि, स्थिति और प्रलय–को दर्शाती है। गरबा शरद नवरात्रि में होता है, अर्थात् दुर्गा के नौ रूपों को समर्पित नौ रातों में। यह पर्व महिषासुर पर दुर्गा की विजय का स्‍मरण है, जैसा देवी माहाव्‍य (मार्कंडेय पुराण) में वर्णित है। भक्त माँ की स्‍तुति के गीत (गर्बी) गाते हैं, ताली देते हैं और नृत्य को पूजा तथा कृतज्ञता का माध्‍यम बनाते हैं। पारंपरिक माहौल में स्‍थान पवित्र माना जाता है-प्राय: नगे पाँव नाचते हैं, आरती होती है, और केंद्र में दीपक या मूर्ति ही मुख्‍य रहती है।

लोक-नृत्य के रूप में यह शादियों और अन्‍य अवसरों पर भी होता रहा है, पर इसका सबसे विस्‍तृत और मुख्‍य संदर्भ दुर्गा-पूजा का नवरात्रि चक्र ही है। क्‍योंकि यह रूप देवी और उनके प्रतीकों के इर्द-गिर्द बुना गया है, पारंपरिक हिंदू साधक और संगठन इसे श्रद्धा का कर्म मानते हैं, सेक्‍युलर-गैरहिंदू मनोरंजन नहीं। जो दुर्गा को दिव्‍य माता नहीं मानते, मूर्ति-पूजा और धर्मिक विश्‍वास को अस्‍वीकार करते हैं, वे इस अनुष्ठान के उद्देश्‍य से बाहर हैं। गरबा को सिर्फ ‘फन मेला+ कहना उसे उसके धर्मिक अर्थ से काट देता है और पूजा-र्भक्ति को तमाशा बना देता है।

अन्‍य धर्मों के अनुष्ठानों से तुलना स्‍वाभाविक है। ईद की नमाज़ इस्‍लामी मजहब के अनुसार निर्धारित है। गैर-मुस्‍लमानों से यह अपेक्षा नहीं की जाती कि वे औपचारिक नमाज़ में मजहबी कर्तव्‍य के रूप में शामिल हों; वह स्‍थान और स्‍वरूप उन लोगों का है जो उस आस्‍था को स्‍वीकार करते हैं। अनेक परंपराओं में मूल उपासना-कर्म की सीमाएँ ऐसी ही हैं। नवरात्रि में गर्भ दीप या दुर्गा की मूर्ति के चारों ओर होने वाला गरबा उसी श्रेणी का आस्‍था-विशिष्ट कर्म है, रास्‍त्र द्वारा थोपा गया खुला सांस्‍कृतिक मेला नहीं। आज कई स्‍थानों पर गरबा अल्‍पधर्मीक व्‍यावसायिक हो चुका है और हिंदू-भावना विहीन इवेंट् मैनेजरों के हाथों विक्‍त हो रहा है। समय आ गया है कि अंगद समान हिंदू आस्‍था और मर्यादा का पैर जमाया जाए। बंगाल से सीख ली जाए, जहाँ तेजस्‍वी वीर हिंदू नायक मुख्‍यमंत्री शुभेंदु अधिकारी दुर्गा पूजा को उसकी मूल गरिमा लौटाने का प्रयास कर रहे हैं। उनसे सीखकर गरबा को पतन से बचाया जाए।

यूनेस्‍को ने 2023 में गरबा को मानवता की अमूर्त सांस्‍कृतिक धरोहर की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया। उसमें इसके हिंदू सामाजिक स्‍वरूप और शक्ति/स्त्री-ऊर्जा के वृत्त को बनाए रखते हुए लोगों को जोड़ने की क्षमता का उल्लेख है।

विश्व हिंदू परिषद जैसे संगठनों का कहना सही है कि यह देवी-पूजा का रूप है, इसलिए प्रवेश उन्हीं का हो जो इस आस्‍था को साझा करते हैं। गरबा स्‍थलों पर प्रवेश नियंत्रण और पहचान जाँच की माँग इसीलिए है।

मिश्‍नरि आंयोजनों में तनाव, हिंदू लड़कियों को निशाना बनाने, अपमान और उत्पीड़न की घटनाएँ सामने आई हैं। गैर-हिंदुओं द्वारा हिंदू देवताओं का मजाक उड़ाने और ‘गरबा के बहाने हिंदू लड़कियों को छेड़ने- की खबरें भी आती रही हैं। हिंदुओं को समावेशिता का पाठ पढ़ाने की ज़रूरत नहीं।

प्राकृतिक तकाजों को नजरअंदाज



नेपाल की त्रासदी का संदेश है कि प्राकृतिक तकाजों को नजरअंदाज करने का समय बीत चुका है। विकास के नाम पर पर्यावरणीय सुरक्षा की बलि देना जारी रहा, तो ऐसी घटनाओं से बचना संभव नहीं रह जाएगा।

ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण ग्लेशियर पिघल रहे हैं, यह चर्चा दशकों पुरानी हो चुकी है। इसके क्या घातक परिणाम होंगे, इसको लेकर वैज्ञानिक चेतावनियां भी आम चर्चा में रही हैं। कई दिन की जांच-पड़ताल के बाद अब यह साफ है कि नेपाल में 26 अगस्त को जो हुआ, वह उन चेतावनियों का ही साकार रूप लेना था। इसीलिए उस रोज हुई ग्लेशियर टूटने की घटना को मजबूत प्राकृतिक आपदा के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। स्पष्टतः यह हिमालय के पारिस्थितिकी तंत्र पर जलवायु परिवर्तन के हुए प्रभाव का परिणाम है। इसलिए यह एक गंभीर चेतावनी है। इसे ध्यान में रखना चाहिए कि ग्लेशियल झील के फटने से आने वाली बाढ़ जैसी त्रासदीयों अनहोनी का हो जाना भर नहीं हैं। बल्कि ये इनसान की अ-दूरदर्शिता का सीधा परिणाम हैं। 26 अगस्त को नेपाल-चीन सीमा के पास लांगटांग लिरंग क्षेत्र में एक विशाल ग्लेशियर अचानक खिसक गया। यह घटना लगभग 5,200 मीटर की ऊंचाई पर हुई। ग्लेशियर टूट कर लगभग 1,200

क्या आश्चर्य कि आज देश

के सर्वोच्च नेतागण भी भारतीय ज्ञान-ग्रंथों के बारे में शून्य जानकारी रखते हैं। यदि कोई संस्था सर्वेक्षण करे (जो %ए्यू रीसर्च’ जैसी कोई विदेशी ही हो सकती है, देश में अब ऐसी कोई संस्था ही नहीं बची! जो यह करती हो) तो हमारे तमाम मंत्रियों, सांसदों में भारतीय ज्ञान ग्रंथों के पाँच नाम भी बता सकने वाले बिरले ही मिलेंगे।

वही देश की शिक्षा, संस्कृति, और विज्ञान, सब के कर्णधार हैं! कहने की जरूरत नहीं कि आम अन्धत्व की स्थिति में इस हाल का मतलब समझने वाले भी बहुत कम हैं। और जो हैं वे असहाय दर्शक भर। अब इस नये प्रसंग को देखें, जो %मनुस्मृति’ को फिर दो लात लगाने से जुड़ी है। एक महान ज्ञान-ग्रंथ – जिस ने ब्रिटिश राज के दौर में स्वामी दयानन्द और स्वामी विवेकानन्द जैसे महापुरुषों को प्रेरित किया।

शंकर शरण

हिन्दू ग्रंथों की निन्दा करने वाले उसे शायद ही पढ़ते हैं। मनुस्मृति के राज्य-शासन संबंधी तीनों अध्याय गंभीर ज्ञान-भंडार हैं। अधिकांश आज भी मूल्यवान। तब सोचें, तीन हजार वर्ष पहले इतना गहन चिंतन विश्व में कहीं था! तब यहाँ ऐसे शास्त्र रचे गए, जिन की बातें आज भी चमत्कृत करती है। ज् निंदक लोग केवल सुनी-सुनाई पर चलते हैं कि उस में %शूद्रों या स्त्रियों के बारे में कुछ आपत्तिजनक है।' वस्तुतः मनुस्मृति में वैसा भी कुछ नहीं है।.. स्वामी दयानन्द सरस्वती ने मनुस्मृति को अपने समाज-सुधार का आधार बनाया था। यदि मनुस्मृति जातिवादी या स्त्री-विरोधी होती, तो वे संपूर्ण भारत में इतना बड़ा आधुनिक, व्यापक प्रभावशाली सुधार आंदोलन चलाने में कैसे सफल हुए होते? प्रायः-लगता है, कि अंग्रेजों ने इस देश को अधिक सहानुभूति से समझा था। लोगों की ही नहीं, अपितु यहाँ के ज्ञान, इतिहास, विरासत, धर्म और संस्कृति के प्रति भी सच्ची देख-भाल की प्रवृत्ति उन में थी। यह बात एकबारगी विचित्र लगे, किंतु ठेस पैमानों पर – सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं व्यवहारिक – परखने से सोचने पर विवश होना पड़ेगा।

शिक्षा का उदाहरण लें। अंग्रेजों ने यहाँ अपने बनाए स्कूलों, कॉलेजों में यूरोप के सर्वश्रेष्ठ ज्ञान से भारतीय बच्चों, युवाओं को शिक्षित किया। साहित्य और दर्शन में महान भारतीय रचनाओं को भी वही स्थान दिया। यह पुराने पुस्तकालयों में रखी उस जमाने की पाठ्य सामग्रियों तथा उस युगीन हमारे विद्वानों के लेखन के माध्यम से भी जाना जा सकता है।

पर देशी राज की शिक्षा ने क्या किया? इस ने जल्द ही शिक्षा का राजनीतिकरण, मतवादीकरण कर दिया! पूरे ब्रिटिश राज में शायद ही स्कूलों में कभी ब्रिटिश सम्राटों या वायसरायों की विरासवली ट्राजे, फैलाने का काम हुआ। देशी राज में अपने चालू नेताओं को दैवी, ज्ञानी, चिंतक,

विश्वनेता, आदि बताना नीचे से ऊपर सभी कक्षाओं में एक सामान्य तत्व बन गया। यह प्रवृत्ति शिक्षा के विरुद्ध कुशिक्षा को प्रवृत्त देना था। अनजाने होने से उस की हानि कम नहीं हुई! बल्कि फिर उस का प्रतिफलन, विस्तार, आदि अन्य क्षेत्रों में भी होना ही था। जैसे, शिक्षा में सच्चे सिद्धांत पढ़ने के बजाए वैसे मतवादों, विचार पढ़ना जो उन नेताओं को पसंद थे। या जो उन की अपनी झक थी। तदनुसार, विद्वानों के बदले उन भक्तों और रडू तोतों को आचार्य, अध्यापक, संचालक बनाना जो उन मतवादों का प्रचार करें। इसी तरह, फिर शोध के नाम पर उन्हीं बातों, अप्रग्रहों, दुराग्रहों की पुष्टि कराने वाले विचार को शोध-विषय बनाकर शुद्ध प्रोगेगंडा को शोध, ज्ञान, शिक्षा, और उच्च-शिक्षा का नाम दे देना।

उक्त सभी प्रवृत्तियों को आज विकराल व दयनीय रूप में चारो तरफ देख सकते हैं। बीमारी इतनी व्यापक हो चुकी, कि बीमारी नहीं लगती! मानो जहाँ सभी बिचे हों, वहाँ अंधकार और प्रकाश में नामालूम अंतर रहता है। सो, सचमुच ज्ञान की बातें, ज्ञान पुस्तकें, और सच्चे शिक्षक आज के शैक्षिक बौद्धिक वातावरण में नक़्क़ हैं। उन के लिए कहीं स्थान नहीं। यह भी सरसरी अवलोकन से देखा जा सकता है।

वर्तमान मुहावरे में कहें, तो %जेनरल केटेगरी’ के प्रतिभाशाली विद्यार्थी या अध्यापक विदेशों में जगह ढूँढ़ने के लिए अभिशाप्त हैं। देश में उन के लिए कोई चिन्ता करने वाला नहीं! इस प्रकार, देशी राज को ज्ञान, प्रतिभा, योग्यता, कुशलता तथा इस से होने वाले लाभ, और इन की अनुपस्थिति में होने वाली हानि – दोनों में से किसी का बोध तक नहीं है!

तुलना कीजिए, ब्रिटिश राज की तमाम छात्रवृत्तियों, सम्मानों, प्रोत्साहनों, और पदवियों से। कहीं भी उस में लेशमात्र भी मिलावट, प्रोगेगंडा, भेद-भाव, मिथ्याचार, प्रोगेगंडा का संकेत नहीं मिलेगा! इस का प्रत्यक्ष प्रमाण यह भी है कि किसी कट्टर से कट्टर राष्ट्रवादी भारतीय ने

विविध

राजीव से राहुल तक का सफर भी कम गौरतलब नहीं

हरिशंकर व्यास
ढेरों प्रमाण हैं। तारीखों और घटनाओं से 1962 के अनुभव यानी लेफ्ट से नेहरू ने क्या पाया? कांग्रेस के 1969 के विभाजन के बाद वाम समर्थन और वाम-प्रगतिशील बौद्धिक प्रभाव की ओर बढ़ी इंदिरा गांधी अतन्त- कहां पहुंचीं? बैंक राष्ट्रीयकरण, प्रिवी पर्स, गरीबी हटाओ, सरकारी उद्योगों-उद्यमों, लाइसेंस-कोटा से कांग्रेस और भारत ने क्या पाया? लगातार फैलते सरकारी दायरे में उल्टे कांग्रेस अपनी पुरानी मध्यमार्गी अर्थनीति से लेफ्ट की ओर खिसकती गई। तात्कालिक फायदे की राजनीति में भले इंदिरा को गरीबों की मसीहा की इमेज मिली। कांग्रेस का नया सामाजिक आधार बना। मगर उसी के पास सरकार अर्थव्यवस्था और नागरिक जीवन की सर्वशक्तिमान माई-बाप बनती गई।

ऐसे ही इंदिरा गांधी के समय विश्वविद्यालयों, इतिहास, संस्कृति, आकादमिक संस्थानों, मीडिया और दिल्ली के नीति-विमर्श में लेफ्ट का नया प्रगतिशील प्रतिज्ञा बना। सही है, उसमें बैठे सभी लोग कम्युनिस्ट नहीं थे। लेकिन आधुनिक, वैज्ञानिक और प्रगतिशील कहलाने वाले शिक्षा भाषा जरूर सभी चेहरों-मटाधीशों-शिक्षा मंत्री, उपकुलपतियों, कला-साहित्य-संस्कृति आदि क्षेत्रों में—की थी। उस भाषा, उस सोच में धर्म को सार्वजनिक जीवन में लेकर चलने वाला हिंदू आसानी से रूढ़िवादी करार दिया जाता। जबकि धार्मिक असंख्यक जातियों की सामुदायिक पहचान की रक्षा सेक्कुलर राज्य का दायित्व, जाति पर बात करना प्रगतिशीलता, वहीं सनातनी धर्म और सभ्यता पर बात करते हुए सफाई देती हुई झिझक।

इसलिए %लेफ्ट’ का अर्थ, उसके आकादमिक संस्थानों, मीडिया और दिल्ली के नीति-विमर्श में लेफ्ट का नया प्रगतिशील प्रतिज्ञा बना। सही है, उसमें बैठे सभी लोग कम्युनिस्ट नहीं थे। लेकिन आधुनिक, वैज्ञानिक और प्रगतिशील कहलाने वाले शिक्षा भाषा जरूर सभी चेहरों-मटाधीशों-शिक्षा मंत्री, उपकुलपतियों, कला-साहित्य-संस्कृति आदि क्षेत्रों में—की थी। उस भाषा, उस सोच में धर्म को सार्वजनिक जीवन में लेकर चलने वाला हिंदू आसानी से रूढ़िवादी करार दिया जाता। जबकि धार्मिक असंख्यक जातियों की सामुदायिक पहचान की रक्षा सेक्कुलर राज्य का दायित्व, जाति पर बात करना प्रगतिशीलता, वहीं सनातनी धर्म और सभ्यता पर बात करते हुए सफाई देती हुई झिझक।

इसलिए %लेफ्ट’ का अर्थ, उसके आकादमिक संस्थानों, मीडिया और दिल्ली के नीति-विमर्श में लेफ्ट का नया प्रगतिशील प्रतिज्ञा बना। सही है, उसमें बैठे सभी लोग कम्युनिस्ट नहीं थे। लेकिन आधुनिक, वैज्ञानिक और प्रगतिशील कहलाने वाले शिक्षा भाषा जरूर सभी चेहरों-मटाधीशों-शिक्षा मंत्री, उपकुलपतियों, कला-साहित्य-संस्कृति आदि क्षेत्रों में—की थी। उस भाषा, उस सोच में धर्म को सार्वजनिक जीवन में लेकर चलने वाला हिंदू आसानी से रूढ़िवादी करार दिया जाता। जबकि धार्मिक असंख्यक जातियों की सामुदायिक पहचान की रक्षा सेक्कुलर राज्य का दायित्व, जाति पर बात करना प्रगतिशीलता, वहीं सनातनी धर्म और सभ्यता पर बात करते हुए सफाई देती हुई झिझक।

कम्युनिस्ट कहना गलत होगा। इन सबके आपसी झगड़े और वैचारिक फर्क गहरी हैं। लेकिन समय के साथ लुटियंस दिल्ली में इन धाराओं के मेल से एक व्यापक वाम-प्रगतिशील सत्ता-बौद्धिक मानस की दबंगी बनी। समाज को वर्ग, जाति, लिंग, अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक और उत्पीड़क-उत्पीड़ित के खांचों से देखने की प्रवृत्ति पूरे देश में पसरती गई। यही मेरे %लेफ्ट’ के आशय का व्यापक वैचारिक खमीर है।

मगर कमाल या त्रासदी देखिए। लेफ्ट का रौब, हल्ला जैसे-जैसे बढ़ा, वैसे-वैसे कम्युनिस्टों, वामपंथियों, समाजवादियों की चुनावी और वैचारिक हैसियत जीरो होती गई। वोट में सिकुड़ते गए, लेकिन उनकी बनाई भाषा, जुमलों के फतवे बढ़ते गए। एक वक्त था जब संसद में दर्जनों सांसद थे। संसद में कांग्रेस के बाद सीपीआई नंबर दो की पार्टी! बंगाल, केरल, त्रिपुरा में सरकारें। ट्रेड यूनियन में बढ़दबा। विश्वविद्यालयों में प्रभाव। संगठित कम्युनिस्ट आंदोलन कभी राष्ट्रीय राजनीति की बड़ी शक्ति था। पश्चिम बंगाल में चौंतीस साल सरकार थी। पर आज वह नामलेवा नहीं है। ऐसी ही त्रिपुरा की दशा हुई। लोकसभा में सीटें और वोट सिकुड़ते गए। आज राजनीति में वाम हाशिये से भी बाहर है!

मगर उससे निकली व्यापक प्रगतिशील शब्दावली, विमर्श के शब्द गैर-भाजपाई राजनीति की मुख्य धारा हुए। जैसे सामाजिक न्याय, हिस्सेदारी, प्रतिनिधित्व, अल्पसंख्यक अधिकार, बहुसंख्यकवाद, पितृसत्ता, उत्पीड़क-उत्पीड़ित। पर आज वह भी मीडिया की पहचान! मेरा मानना है कि सीपीआईएम, कम्युनिस्टों की सबसे बड़ी राजनीतिक सफलता पश्चिम बंगाल पर चौंतीस साल राज या केरल में सरकारें बनाने की नहीं है। उससे बड़ी सफलता अपने वोट से कई गुना बड़ा दिल्ली में वैचारिक प्रभाव पैदा करना था। विश्वविद्यालय से मीडिया तक। संस्कृति से इतिहास तक। सरकार की सलाहकारी दुनिया में कुरैस की राजनीतिक भाषा तक। चुनाव वे हारते गए, लेकिन भारत को देखने का

अंग्रेज शासकों, प्रशासकों, अधिकारियों पर सामान्य पक्षपात या ध्रष्टाचार का आरोप कभी नहीं लगाया। उन का नियमित कामकाज इतनी पारदर्शिता और गुणवत्ता से चलता था।

अतन् क्या आश्चर्य कि आज देश के सर्वोच्च नेतागण भी भारतीय ज्ञान-ग्रंथों के बारे में शून्य जानकारी रखते हैं। यदि कोई संस्था सर्वेक्षण करे (जो %यू रीसर्च’ जैसी कोई विदेशी ही हो सकती है, देश में अब ऐसी कोई संस्था ही नहीं बची! जो यह करती हो) तो हमारे तमाम मंत्रियों, सांसदों में भारतीय ज्ञान ग्रंथों के पाँच नाम भी बता सकने वाले बिरले ही मिलेंगे। वही देश की शिक्षा, संस्कृति, और विज्ञान, सब के कर्णधार हैं! कहने की जरूरत नहीं कि आम अन्धत्व की स्थिति में इस हाल का मतलब समझने वाले भी बहुत कम हैं। और जो हैं वे असहाय दर्शक भर।

अब इस नये प्रसंग को देखें, जो %मनुस्मृति’ को फिर दो लात लगाने से जुड़ी है। एक महान ज्ञान-ग्रंथ – जिस ने ब्रिटिश राज के दौर में स्वामी दयानन्द और स्वामी विवेकानन्द जैसे महापुरुषों को प्रेरित किया, जिन्होंने देश-विदेश में अनगिनत लोगों को अपनी सीख से लाभान्वित किया। उस ग्रंथ का स्थान देशी राज में यह है कि हर नेता उसे गाली देकर, या जला कर अपने को देश का कर्णधार समझता है! किसी को उसे पढ़ने की जरूरत नहीं। बस, गाली देना पर्याप्त है। जिस से वह प्रगतिशील, बहुजन-हितैषी, समाज सेवक, आदि कहलाने का हकदार हो जाता है।

यह है देशी राज की शिक्षा का नतीजा, जिस में पैदा हुए और पले-बढ़े लोग ही आज देश भर में सत्तासीन हैं। वे न केवल यह दृश्य सहज रूप से देखते हैं, अपितु इसी को प्रोत्साहन देते हैं। मामूली खोजबीन से ऐसे उच्च पदस्थ लोग मिल जाएंगे जो मनुस्मृति को जलाकर, या उसे अपसब्द कह कर ऊपर स्थापित हुए। साथ ही, ऐसे लोग भी मिल जाएंगे जो जटिल विषयों के अच्छे ज्ञाता हैं, इसीलिए कहीं भूवैद्य, वैद्यर उपेक्षित पड़े हैं। जो किन्हीं मित्रों के अनुदान और

सहयोग से जीवन चला रहे हैं। क्‍योंकि वे उस %केटेगरी’ के हैं जिन की जरूरत देशी राज को नहीं है। सो, देशी राज में महान पुस्तकें शिक्षा से क्रमशः बाहर होती गईं। उन्हें तुच्छ या अग्रसीमिक मान लिया गया। बिना पढ़े। मनुस्मृति की नियमित भरसना इसी का उदाहरण है। जबकि यदि शीर्षक हटाकर इसे किन्हीं भी दस समझदार लोगों को पढ़ने को दें, और फिर मतव्य लें, तो सभी उसे महान ग्रंथ मानेंगे। अतन्-निंदक लोग केवल सुनी-सुनाई पर चलते हैं कि उस में %शूद्रों या स्त्रियों के बारे में कुछ आपत्तिजनक है।'

वस्तुतः मनुस्मृति में वैसा भी कुछ नहीं है। यदि होता, तब भी आज के नजरिए से किसी पुरानी पुस्तक में कोई नापसंद बात मिलने पर भी उसे अपमानित करना मूर्खता है। इसीलिए %ओल्ड टेस्टामेंट’ या %कुरान’ जैसे प्राचीन ग्रंथों को सम्मान दिया जाता ह। जबकि उस में पगान, आइडोलेटर, काफिर, यानी दूसरे धर्म-विश्वासियों के लिए अत्यंत अपमानजनक बातें लिखी हुई हैं। उस दृष्टि से आज दुनिया में कम से कम तीन अरब लोग आइडोलेटर और काफिर हैं। तो मनुस्मृति को गाली देने की तर्ज पर आइडोलेटरों को क्या इन्हें उन पुस्तकों को अपसब्द कहने का अधिकार है? पृष्ठ कर देखिए, मनुस्मृति को जलाने का दंभ रखने वाले बगलें झाँकने लंगें। देशी राज की शिक्षा ने ऐसे ही मतिहीन नेता बनाए हैं। जो अपनी ही दलील से दो कदम भी सुसंगत नहीं चल सकते। पर वही हमारे कर्ता-धर्ता और मार्गदर्शक हैं।

मनुस्मृति में सृष्टि, दर्शन, धर्म-चितन, जीवन के विधि-विधान, गृहस्थ-जीवन, स्त्री, विवाह, राज्य-राजा संबंधी परामर्श, वैश्य-शूद्र संबंधी कर्तव्य, प्रायश्चित्त, कर्मफल विधान, मोक्ष और परमात्मा चिंतन है। विविध प्रकाशनों में मनुस्मृति में डेढ़ से लेकर ढाई हजार श्लोक मिलते हैं। उन में सैकड़ों प्रक्षिप्त श्लोक माने गए हैं। यानी जो मूल श्लोकों से विसंगत लंगेंगे। उन पर विद्वानों में मतभेद हैं। अतन्-किसी एक मात्र प्रमाणिक प्रति पर असहमति है।

आज का राशिफल

मे़ष राशि- मे़ष राशि वालों आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। आज आपको व्यापारिक लाभ कमाने का बेहतरीन अवसर प्राप्त होगा, आपके आय के नए स्रोत बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज ऑफिस में थोड़ा ज्यादा काम रहेगा, जिसकी वजह से आपको शारीरिक थकान हो सकती हैं। आज आर्थिक मामलों में माता पिता का सहयोग मिलता रहेगा, जिससे आपके काम चलते रहेंगे। आज आपका कोई मित्र आपके घर दावत पर आ सकता है, जिसके साथ बैठकर आप खूब बातें करेंगे। आज आपकी नए वाहन को लेने की इच्छा पूरी होगी।

शुभ रां - लाल

शुभ अंक - 3

वृ़षभ राशि- वृ़ष राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप कारोबार से जुड़े मामलों पर ध्यान देंगे और उसे आगे बढ़ाने में किसी की मदद लेंगे। आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजिटिव रिसर्पास मिलेगा। आज इस राशि की महिलाएँ अपने जीवनसाथी को आज कुछ मीठा बना कर खिला सकती हैं। दोनों के बीच रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। आज छात्र शिक्षक से किसी विषय को अधिक समझने के लिए एक्स्ट्रा क्लासेस ले सकते हैं। आज आप किसी धार्मिक आयोजन में शामिल होंगे, आपको मानसिक शांति मिलेगी।

शुभ रां - मैजेंट

शुभ अंक - 6

मि़थुन राशि- मि़थुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए मिला जुला रहने वाला है। आज आप कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे, जिसमें कलीग का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। आज आप कंस्ट्रक्शन से जुड़े कार्य में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह ले सकते हैं, जिससे आपका काम अच्छा और आसानी से हो जायेगा। आज आपको किसी परिजन की तरफ से खुशखबरी सुनने को मिल सकती है, जिससे घर का माहौल भी खुशनुमा बना रहेगा। आज आपको पितलजी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, खास कर उनके खान पान को लेकर। आज आप अपने काम को पूरा करने के लिए भाई की मदद ले सकते हैं।

शुभ रां - मैरून

शुभ अंक - 4

कर्क़ राशि- कर्क़ राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको रोजगार के तमाम बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे और आपकी आय के नए स्रोत भी बनेंगे, जिससे आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज प्रोजेक्ट कार्य में आपको अपने जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, जो आगे सफलता के लिए मददगार साबित होगा। आज आपके मन में बिजनेस को लेकर नए और इफ़ेक्टिव आइडियाज आयेंगे। आज आपका मन रचनात्मक चीजों को करने में लगेगा, जिससे आपका मूड अच्छा रहेगा। आज स्वास्थ्य के लिहाज से दिन ठीक है, आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे।

शुभ रां - सफेद

शुभ अंक - 9

सिंह राशि- सिंह राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज आप अपने सहकर्मियों के साथ मित्रवत व्यवहार करें, तो आने वाले समय में वो आपका अच्छा लाभ करायेंगे। अगर आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखेंगे तो धीरे-धीरे आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आज आप किसी नए काम की शुरुआत करना चाह रहे हैं, तो दिन शुभ है आप कर सकते हैं आपको काम में सफलता मिलने के अच्छे योग बनते दिख रहे हैं। आज जीवनसाथी की मदद से आप किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने में सफल रहेंगे।

शुभ रां - गुलाबी

शुभ अंक - 7

कन्या राशि- कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप पेंडिंग वर्क निपटाने के लिए किसी करीबी की मदद ले सकते हैं। आज आप परिवार के सदस्यों के साथ किसी धार्मिक यात्रा पर जाने के प्लानिंग कर सकते हैं।

आज आप कुछ समय मित्रों के साथ बितायेंगे और किसी दोस्त की बर्थडे पार्टी इंताय करेंगे। आज आप पैतृक सम्पति को लेकर अपने कजिन से बात

जिलाधिकारी घनश्याम मीना की उपस्थिति में दिया गया जनगणना 2027 के द्वितीय चरण का प्रशिक्षण

संवाददाता
उन्नाव । विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में भारत की जनगणना 2027 के अंतर्गत द्वितीय चरण-जनसंख्या गणना की तैयारी हेतु जिला/तहसील एवं चार्ज स्तरीय अधिकारियों व कर्मचारियों को दो दिवसीय प्रशिक्षण के दृष्टिगत प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण शासन से भेजे गए डॉ0 गौरव पाण्डेय, उपनिदेशक जनगणना कार्य निदेशालय लखनऊ/मंडल प्रभारी व श्री उमाशंकर जिला प्रभारी जनगणना कार्य द्वारा कुशलता पूर्वक दिया गया। प्रशिक्षण में संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को द्वितीय चरण की जनगणना प्रक्रिया, प्रपत्रों के संकलन, आंकड़ों की शुद्धता तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करने



दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनगणना कार्य को पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ संपादित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनगणना से संबंधित सभी कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण किए जाएं तथा प्रपत्रों एवं

आंकड़ों की प्रविष्टि में विशेष सावधानी बरती जाए। उन्होंने कहा

तहसील पिछड़नी नहीं चाहिए सभी उप जिला अधिकारी गंभीरता से इस कार्य को लें। कहा की प्रशिक्षण को पूरी गंभीरता प्रशिक्षण के लिए लगाई गई जनगणना के कार्य में लगाई गई टीम अच्छी हो यदि टीम अच्छी होगी तो कर सही ढंग से हो सकेगा। कहा कोई डाउट हो तो उसको पहले से दूर कर लें। किसी भी बिंदु पर संदेह नहीं रहना नहीं चाहिए। जो समय सीमा दी गई है उसमे सभी कार्य पूर्ण कर लिया जाए। लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। जनसंख्या जनगणना 2027 के अंतर्गत स्व गणना 16 नवंबर 2026 से 30 नवंबर 2026 जनसंख्या गणना एक दिसम्बर 2026 से 04 जनवरी 2027,संदर्भ तिथि 05 जनवरी 2027,रिवीजनल राउंड 05 जनवरी से 09 जनवरी 2027

कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का महत्वपूर्ण कार्य है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और प्रशिक्षण में दी गई जानकारी एवं दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना के कार्य में कोई भी

तिथियां निर्धारित किया गया है। कार्मिकों को प्रशिक्षण अक्टूबर माह में कराया जाएगा। जनगणना के सम्बंध में प्रत्येक व्यक्ति से 40 सवाल पूछे जाएंगे। बड़े गणना ब्लॉकों का विभाजन किया जाएगा। जनगणना के कार्य को सक्रुशल एवं गुणवत्ता युक्त कार्य करने वाले कार्मिकों को प्रोत्साहित/पुरस्कृत किया जाएगा। इस कार्य हेतु जनपद में 8500 कार्मिक तैनात किए जाएंगे जो कि जनपद की 7000 गणना ब्लॉकों में आंकड़े एकत्रित करेंगे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड/जिला जनगणना अधिकारी जिला /तहसील एवं चार्ज स्तरीय अधिकारी कर्मचारी से एक-एक करके लंबित प्रकरणों व उसके निस्तारण के संबंध में की गई कार्यवाही के संबंध में



संवाददाता
उन्नाव । जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मा0 आयोगों एवं अन्य स्तर से प्राप्त सन्दर्भों एवं न्यायालय के लम्बित सन्दर्भों के निस्तारण के सम्बंध में बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने प्रत्येक विभाग के अधिकारियों व संबंधित तहसील के उप जिला अधिकारी से एक-एक करके लंबित प्रकरणों व उसके निस्तारण के संबंध में की गई कार्यवाही के संबंध में

बिंदुवार जानकारी हासिल की। जिलाधिकारी ने आयोग के प्रकरणों पर लापरवाही के चलते कलेक्ट्रेट के शिकायत लिपिक पर नाराजगी व्यक्त कर कड़ी फटकार लगाई और कार्यवाही किये जाने के निर्देश अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड अतिरिक्त उपजिलाधिकारी श्रीमती कहकशा अजुम उपजिलाधिकारी सदर बांगरमऊ, सफीपुर हसनगंज सहित अन्य संबंधित अधिकारी और पटल सहायक मौजूद रहे।

ग्राम स्तर से चयन होकर अनुमोदन के पश्चात 70 ग्रामों के विकास कार्य के लिए जिलाधिकारी ने जनपद स्तर पर दिया अनुमोदन



संवाददाता
उन्नाव । जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में विकास भवन

सभागार में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत चयनित ग्रामों के विकास के संबंध में समीक्षा बैठक

आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने 2021 -22 में चयनित 192 ग्रामों में से 70 ग्राम, ग्राम स्तर से चयन होकर ग्राम स्तर से अनुमोदन के पश्चात जिलाधिकारी द्वारा विकास कार्य कराए जाने हेतु जिला स्तर पर अनुमोदन दिया गया। प्रधान मंत्री आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत चयनित 70 ग्रामों में स्वच्छ पेयजल ठोस और तरल अपशिष्ट निपटारण का कार्य, विद्यालय एवं आंगनवाड़ी में शौचालय का निर्माण कार्य, आंगनवाड़ी का निर्माण, सोलर लाइट और स्ट्रीट लाइट, ओवर हेड टैंक (जल जीवन मिशन से जो संतुप्त न हो), आर सी सी से निर्मित छोटी पुलिया का कार्य, बोरवेल, नाली का कार्य, सोकपिट का निर्माण कार्य, पाइपलाइन-एक्सपंशन, ट्रांसफार्मर एवं ग्राउंड लेवल रिजर्वॉयर सहित अन्य 20 लाख तक के कार्य कराए जाएंगे। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत निर्धारित मानकों के अनुसार सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं

ग्रामों में उपलब्ध कराई जाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री आदर्श योजना के तहत चयनित इन 70 ग्रामों में प्राथमिकता के साथ गुणवत्ता युक्त कार्य कराया जाय और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से संतुप्त किया जाए। जिलाधिकारी ने अवशेष ग्रामों का भी शीघ्र सर्वे कराकर आगड़न तैयार कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित किये जाने के निर्देश जिला समाज कल्याण अधिकारी को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि योजना के अंतर्गत संचालित विकास कार्यों की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी निर्धारित की जाएगी। बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी श्री प्रकाश पांडेय, उपनिदेश कृषि डीसी मनरेगा श्री मुकेश कुमार अधिशासी अभियंता प्रान्तीय खण्ड सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बाढ़ प्रभावित गांवों में राहत सामग्री वितरण, पीड़ितों की मदद को आगे आए शशांक शेखर सिंह सनी के समर्थक



संवाददाता
उन्नाव। जिले में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर के चलते कई गांव बाढ़ की चपेट में हैं। बाढ़ प्रभावित परिवारों के सामने खाने-पीने की सामग्री और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने का संकट बना हुआ है। ऐसे में जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए जनप्रतिनिधियों और सामाजिक

कार्यकर्ताओं की ओर से राहत कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 165 सदर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शशांक शेखर सिंह सनी के निर्देशानुसार उनके शुभचिंतकों ने सरोसी क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांवों में पहुंचकर पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री वितरित की। इस दौरान सिहुरा, सथरा,

विक्रमपुर, कोठरिया, करीमाबाद सहित आसपास के बाढ़ प्रभावित गांवों में राहत सामग्री पहुंचाई गई। राहत वितरण के दौरान कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बाढ़ के कारण उत्पन्न परेशानियों, खाद्य सामग्री की आवश्यकता और अन्य जरूरी

सुविधाओं से संबंधित समस्याएं बताईं। राहत सामग्री मिलने पर प्रभावित परिवारों ने मदद करने वालों का आभार जताया। इस राहत कार्य में शशांक शेखर सिंह सनी के निर्देश पर अवधेश दीक्षित, विकास मिश्रा, सचिन मिश्रा, राकेश अवस्थी, अनिल त्रिवेदी पूर्व ग्राम प्रधान मोमिनपुर, रिकू शुक्ला, विशु तिवारी, प्रतीक सिंह, सत्येंद्र सिंह, कुश सिंह, रघुवंश मणि त्रिवेदी, गोलू सिंह, सतीश चौहान, पंचम साहू, बनवारी कश्यप, अभय सिंह, आलोक निषाद, ग्राम प्रधान सथरा कुलदीप लोधी और आशीष सिंह सहित अन्य शुभचिंतकों ने सहयोग किया। सभी ने बाढ़ प्रभावित लोगों तक राहत सामग्री पहुंचाने और जरूरतमंद परिवारों की मदद करने में सक्रिय भूमिका निभाई। इस दौरान बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों को आगे भी जारी रखने पर जोर दिया गया, ताकि संकट की घड़ी में ग्रामीणों को आवश्यक सहायता मिल सके।

खेलो इंडिया से प्रेरित होकर कटरी की प्रतिभाओं को मिला राष्ट्रीय मंच- ऋत फाउंडेशन खेलेगा युवा – खिलेगा देश



से अंबाला, रोहतक एवं हिसार तथा उत्तर प्रदेश से शामली, आजमगढ़, उर्दू, कानपुर, बिल्हौर, उन्नाव, सिरसी एवं बैदरा सहित विभिन्न क्षेत्रों की टीमों ने प्रतिभाग कर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर अनुराग त्रिवेदी जी के पूज्य पिता रानू त्रिवेदी एवं अनुज भ्राता अभिनव त्रिवेदी ने सहभागिता कर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। अनुराग त्रिवेदी का मानना है कि ग्रामीण भारत की मिट्टी में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल अवसर और प्रोत्साहन की है। इसी सोच के साथ ऋत फाउंडेशन शिक्षा, रोजगार और खेल के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। कटरी क्षेत्र के युवाओं के लिए यह आयोजन केवल एक कबड्डी प्रतियोगिता नहीं, बल्कि स्थानीय प्रतिभाओं को पहचानने, उन्हें आगे बढ़ाने और राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने का प्रयास है। जब कटरी का युवा मैदान में उतरेगा, जब उसकी प्रतिभा को अवसर मिलेगा, तभी सशक्त युवा और समर्थ राष्ट्र का संकल्प साकार होगा। खेलेंगे युवा – खिलेगा देश। अनुराग का संकल्प – युवा शक्ति को अवसर, प्रतिभा को सम्मान।

गरजी प्राधिकरण की जेसीबी,अवैध प्लांटिंग एवं अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण का सचिव प्राधिकरण ने चलाया अभियान



उन्नाव । उन्नाव शुक्लागंज विकास प्राधिकरण के सचिव/ नगर मजिस्ट्रेट मनोज कुमार सिंह द्वारा उन्नाव-शुक्लागंज विकास प्राधिकरण क्षेत्रान्तर्गत बिना मानचित्र स्वीकृत कराये अनाधिकृत रूप से की जा रही अवैध प्लांटिंग/अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की कार्यवाही की गई। ध्वस्तीकरण कार्यवाही के अन्तर्गत हरदोई सफीपुर मार्ग पर स्थित ग्राम सैयद अब्बासपुर में 10 बीघे भूमि में बिना मैप स्वीकृति के . लगभग 1.5 करोड़ मूल्य की भूमि में किये गए अवैध प्लांटिंग को जेसीबी से ध्वस्त किया गया है। सचिव प्राधिकरण ने कहा कि किसी भी स्थिति में उन्नाव शुक्लागंज विकास प्राधिकरण में बिना मानचित्र स्वीकृत कराए अवैध निर्माण/ प्लांटिंग करने वालों को बख्सा नहीं जाएगा कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। कहा यह अभियान रेगुलर चलता रहेगा ऐसे कार्य में सलिस माफियाओं चिन्हित कर प्राथमिकता के साथ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ध्वस्तीकरण का कार्य सचिव उन्नाव शुक्लागंज विकास प्राधिकरण मनोज कुमार सिंह प्रदीप राजपूत,राजू रावत सुरेश शुक्ला सहित अन्य प्राधिकरण की टीम द्वारा कराया गया है।

जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में रुट डायवर्जन के कार्य को मौके पर देखा

संवाददाता
उन्नाव । जिलाधिकारी घनश्याम मीना द्वारा पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह की उपस्थिति में जाजमऊ गंगा पुल की मरम्मत के दृष्टिगत लागू किए गए रुट डायवर्जन के कार्य का मौके पर जाकर देखा गया । इस अवसर पर जिला अधिकारी ने सर्वप्रथम गदन खेड़ा चौराहे पर पहुंचकर रुट डायवर्जन,



वरिकेडिंग , लगाए गए संकेतक को देखा । तत्पश्चात कानपुर मार्ग पर आटा बंधर चौराहा पशु शुक्लागंज के मरालाल चौराहा पर पहुंचकर रुट डायवर्जन के कार्य को देखा। जिलाधिकारी ने रुट डायवर्जन के कार्य में लगाए गए पुलिस कार्मिकों प्राथमिकता के साथ रुट डायवर्जन का पालन जाने जाने के निर्देश दिया । कहा की ट्रैफिक की स्थिति ठीक रहे। कोई भी दुर्घटना ना हो इसका ध्यान रखा जाए। वैकल्पिक मार्गों पर भारी वाहनों का दबाव न बढ़ सके इसके लिए आवश्यक कार्रवाई किया जाए । कहा रुट डायवर्जन के दौरान कहीं पर भी जाम की स्थिति ना बने साथ ही वाहन चालकों को मार्ग से निकलने में कोई परेशानी ना हो इसका ध्यान रखा जाए। इस अवसर पर रुट डायवर्जन के में लगाए गए पुलिस बल सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

उन्नाव में युवा समाजवादी नेता के नेतृत्व में छात्र नौजवान वक्त्र जागरूकता अभियान की तैयारी तेज

संवाददाता
उन्नाव। समाजवादी छात्र सभा द्वारा 15 सितम्बर से 30 सितम्बर 2026 तक छात्र नौजवान ष्ठ जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उन्नाव में युवा समाजवादी नेता लकी सिंह के नेतृत्व में इस अभियान को लेकर युवाओं में भारी उत्साह है। लकी सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी के निर्देश पर ष्ठ की विचारधारा को छात्र-छात्राओं और नौजवानों तक पहुंचाना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के बताए रास्ते पर चलकर सामाजिक न्याय की लड़ाई को मजबूत किया जाएगा। अभियान का कार्यक्रम विवरण इस प्रकार है - 15 से 22 सितम्बर 2026 - सदस्यता अभियान 23 सितम्बर 2026 - ष्ठ वृक्षारोपण कार्यक्रम 24 सितम्बर 2026 - विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में शिविर लगाकर संपर्क व पर्चा वितरण 28 सितम्बर 2026 - छात्र-छात्राओं से सुझाव पत्र लेना 29 सितम्बर 2026 - सगोष्ठी - विषय- वर्तमान राजनीति में छात्र-छात्राओं एवं युवाओं की भूमिका 30 सितम्बर 2026 - मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह लकी सिंह ने उन्नाव जनपद के सभी विश्वविद्यालय, महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, नौजवानों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है।

सक्षिप्त खबरें...

जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष की उपस्थिति में श्री शिवमहापुराण कथा के पावन अवसर पर संगोष्ठी हुई संपन्न



संवाददाता
उन्नाव। तहसील बीघापुर क्षेत्र के भगवंत नगर विधानसभा अंतर्गत नगर पंचायत भगवंत नगर में केंद्रीय कार्यालय पर श्री शिवमहापुराण कथा के पावन अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में अरुण सिंह जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष बैठक हुई। भगवान शिव की पावन कथा के माध्यम से सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना एवं सामाजिक एकता के इस पवित्र भाव को आत्मसात करने का अवसर मिला। ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक परंपराओं को सशक्त बनाने के साथ ही समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और सहयोग की भावना को भी और प्रगाढ़ करते हैं। इस अवसर पर आयोजित गरिमामई संगोष्ठी की अध्यक्षता बड़े भाई विनोद सिंह , अध्यक्ष, प्राथमिक शिक्षक संघ, विकासखंड सुमेरपुर एवं प्रिन्शु सिंह , अध्यक्ष, प्रधान संघ, विकासखंड सुमेरपुर ने की। कार्यक्रम में बड़े भाई निरंजय सिंह लाला , उदय प्रताप सिंह , रोशन मिश्रा , शिवम यादव, शनि सिंह , सोहित , अमित यादव , मनीष प्रजापति, सचिन प्रजापति , रजनीश , रितेश , हिमांशु शर्मा, साहित चौधरी , सचिन यादव , सत्यम सिंह , अंकुश वर्मा , अंशु शर्मा, राघव सिंह चौहान , कमलेश चौधरी , अमरजीत सिंह , साहित , अनिकेत सिंह सहित बड़ी संख्या में सम्मानित जनों की उपस्थिति रही।

नंदुलन खेड़ा में आल्हा गायन व विराट दंगल का हुआ आयोजन



संवाददाता
उन्नाव। विधानसभा क्षेत्र भगवन्त नगर के ग्राम नंदुलन खेड़ा में मंगलवार को पारंपरिक आल्हा गायन एवं विराट दंगल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रसेवक पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह पहुंचे। गांव पहुंचने पर ग्रामवासियों एवं आयोजन समिति द्वारा उनका फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया। अपने संबोधन में पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि आल्हा गायन और दंगल हमारी सनातन संस्कृति और वीर परंपरा के प्रतीक हैं। ऐसे आयोजन न केवल युवाओं को शारीरिक रूप से मजबूत बनाते हैं बल्कि उनमें देशभक्ति और संस्कारों का संचार भी करते हैं। उन्होंने आयोजन समिति को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी उपस्थित परिवार के सदस्यों से राष्ट्रसेवक पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह ने समाज से जातीय भेदभाव को खत्म करने व आपसी एकता सहयोग की भावना को बढ़ाने की अपील की, इस अवसर पर सुविख्यात कवि सामाजिक चिंतक कमलेश शुक्ला, ग्राम प्रधान गंगाप्रसाद यादव, प्रधान अमरेंद्र यादव, अमर सिंह, आर के सिंह मामाजी, शेषपाल , प्रधान पंकज बाबाजी, एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

लखनऊ में करणी सेना के स्वाभिमान संकल्प सम्मेलन का भव्य आयोजन; समाज और युवा शक्ति की एकजुटता पर दिया जोर

संवाददाता । त्नेश श्रीवास्तव ?लखनऊ। करणी सेना के तत्वावधान में आज राजधानी लखनऊ में %स्वाभिमान संकल्प% कार्यक्रम का भव्य आयोजन अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश भर से आए युवाओं, समाजसेवियों और मातृशक्ति ने हिस्सा लेकर अपनी एकजुटता और स्वाभिमान का परिचय दिया।। कार्यक्रम स्थल पर पधारे सभी नाए व पुराने कार्यकर्ताओं के सुगम स्वागत और जुड़ाव के लिए विशेष %पंजीकरण डेस्क% की व्यवस्था की गई थी, जहाँ युवाओं में भारी उत्साह देखने को मिला। ?वरिष्ठ नेतृत्व की गरिमामयी उपस्थिति? यह भव्य आयोजन करणी सेना के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष कुशरू सूरज पाल सिंह अम्मू एवं युवा शक्ति (उत्तर प्रदेश) के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रताप सिंह के मार्गदर्शन और नेतृत्व में आयोजित किया गया।

हिंदी दिवस पर हिंदी प्रश्नोत्तरी बनी आकर्षण का केंद्र, न्यायिक अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर किया प्रतिभाग

संवाददाता हमीरपुर। माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हमीरपुर श्री मनोज कुमार राय के दिशा-निर्देशन में एवं सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हमीरपुर श्रीमती वंदना अग्रवाल के कुशल मार्गदर्शन में दिनांक 15 सितम्बर 2026 को जनपद न्यायालय, हमीरपुर के सभागार में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया।7समारोह में प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, हमीरपुर एवं माननीय प्रथम अपर जनपद न्यायाधीश सहित जनपद के अन्य न्यायिक अधिकारीगण, अधिकृतगण एवं न्यायिक कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य



हिंदी भाषा के प्रति सम्मान एवं गौरव की भावना को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ न्यायिक एवं प्रशासनिक

कार्यों में सरल, सहज एवं प्रभावी हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध कविगण हरीराम

साहित्यिक एवं भावपूर्ण बना दिया तथा उपस्थितजनों ने काव्य प्रस्तुतियों का आनंद लिया।हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी भाषा, न्यायिक शब्दावली एवं विधिक हिंदी पर आधारित एक रोचक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी का संचालन सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हमीरपुर श्रीमती वंदना अग्रवाल द्वारा किया गया, जिसमें जनपद के माननीय न्यायिक अधिकारीगण ने बढ़-चढ़कर उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के माध्यम से हिंदी एवं विधिक शब्दावली के प्रति न्यायिक अधिकारियों की रुचि एवं ज्ञान को और अनुगम एवं उसके अधिकाधिक प्रयोग के अंत में माननीय जनपद

सदर विधायक रामतन कुशवाहा ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक, लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

ललितपुर आगामी त्योंहारों एवं जल विहार पर्व को दृष्टिगत रखते हुए नगर की व्यवस्थाओं को बेहतर एवं सुचारु बनाए रखने के लिए आज दिनांक 15.09.2025 को सुपर मार्केट स्थित कन्डोल कमाण्ड सेन्टर (आईसीसीसी) में मा0 सदर विधायक श्री रामतन कुशवाहा जी की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक में नगर पालिका परिषद द्वारा कराए जा रहे विकास एवं निर्माण कार्यों की प्रगति निर्माण कार्यों की गुणवत्ता यातायात व्यवस्था जाम एवं अतिक्रमण की समस्या, पार्किंग व्यवस्था प्रमुख मार्गों की स्थिति पेयजल आपूर्ति जल निकासी एवं नालियों की व्यवस्था, सफाई, स्ट्रीट लाइट, सार्वजनिक शौचालय सहित कानून व्यवस्था एवं अन्य जनसुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की गई मा0 सदर विधायक ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आगामी त्योंहारों एवं जल विहार पर्व से पूर्व नगर की सभी व्यवस्थाओं को हर हाल में दुरुस्त किया जाए। जुलूस मार्गों की आवश्यक मरम्मत, साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाएँ प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराई जाएँ उन्होंने कहा कि नगरवासियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की होगी जांच काी जांच करकर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। प्रत्येक लॉबि कार्य के विलंब का कारण तथा उसके लिए उत्तरदायी व्यक्ति अथवा कार्यदायी संस्था को चिन्हित किया जाए उन्होंने नगर में प्रमुख अतिक्रमण स्थलों की स्थानवार सूची तैयार कर संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए नियमानुसार कार्रवाई, जलभराव वाले स्थानों एवं खराब नालियों की सूची तैयार कर सफाई व मरम्मत खराब स्ट्रीट लाइट सार्वजनिक शौचालय, सफाई एवं कूड़ा निस्तारण से संबंधित शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक माह विभागवार किए गए कार्यों की लिखित अनुपालन आख्या एवं आवश्यक फोटोग्राफ उपलब्ध कराए जाएँ जाम एवं अवैध पार्किंग पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देशद्वैक इंस्पेक्टर को नगर के सभी प्रमुख जाम वाले स्थानों की सूची तैयार करने अवैध एवं अव्यवस्थित पार्किंग वाले स्थानों को चिन्हित करने तथा यातायात बाधित करने वाले अतिक्रमण के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए स्कूल बाजार एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। नगर पालिका एवं थाना पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर जाम की समस्या का स्थायी समाधान तलाशने तथा रिपोर्ट एवं फोटोग्राफ सहित अनुपालन आख्या उपलब्ध कराने को कहा गया क्षतिग्रस्त सड़कों को प्राथमिकता से कराया जाए दुरुस्तअधिशाली अभियंता लोक निर्माण विभाग, प्रांतीय खंड ललितपुर को विभाग के अधीन सभी प्रमुख एवं संपर्क मार्गों का स्थलीय निरीक्षण करारकर क्षतिग्रस्त सड़कों की स्थानवार एवं प्राथमिकता के आधार पर सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए। लॉबिब सड़क कार्यों में विलंब के कारण एवं जिम्मेदार कार्यदायी संस्था को चिन्हित करने तथा सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वहीं अधिशाली अभियंता जल निगम को जल विहार से पूर्व नगर क्षेत्र में क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराने तथा पेयजल से संबंधित लॉबिब शिकायतों की क्षेत्रवार सूची प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। पाइप लाइन कार्यों के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों के संबंध में संबंधित विभागों से समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई तथा पेयजल आपूर्ति बाधित होने वाले क्षेत्रों में वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया जल निकासी एवं पेयजल वितरण प्रणाली की दुकानों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। निर्धारित दर से अधिक मूल्य वसूली की शिकायतों पर जांच कर कार्रवाई करने एवं पात्र लाभार्थियों को खाद्यान्न सहित निर्धारित वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने को कहा गया। कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस को दिए निर्देश प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली ललितपुर को थाना क्षेत्र की कानून व्यवस्था की नियमित समीक्षा करने, संवेदनशील स्थानों एवं बाजार क्षेत्रों में प्रभावी पुलिस गश्त सुनिश्चित करने तथा अतिक्रमण एवं अवैध पार्किंग के मामलों में संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए बैठक में मा0 सदर विधायक ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि जल विहार एवं आगामी त्योंहारों को देखते हुए नगर की व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चिन्हित कमियों को समयबद्ध तरीके से दूर कराया जाए। कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी अथवा विभाग के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान उप जिलाधिकारी न्यायिक ज्ञानेन्द्र विक्रम अधिशाली अधिकारी दिनेश कुमार विश्वकर्मा क्षेत्राधिकारी ट्पिक, प्रभारी निरीक्षक सदर कोतवाली अनुराग अवस्थी पार्षद प्रतिनिधि अमरदीप रजक अधीक्षण अभियंता जल संस्थान मुशीलाल वर्मा, सहायक अभियंता पीडब्ल्यूडी विनोद कुमार, सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग रोहित त्रिपाठी, अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग विजय चन्द्र, अपर अधीक्षता जल निगम वेदप्रकाश, टैक्किक इंस्पेक्टर आलोक तिलारी, कर अधीक्षक राधेश कुमार जैन, अपर अभियंता नगर पालिका श्रीमती खुशबू खान, प्रभारी सफाई निरीक्षक महेन्द्र सिंह यादव, वरिष्ठ लिपिक हबीब खान, निर्माण लिपिक दीपेन्द्र कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे

ब्राह्मण महा मंडल की शोक सभा में दिवंगत आत्माओं को दी श्रद्धांजलि,
शोक संतप्त परिवारों के प्रति जताई संवेदना
महरींनी ललितपुर ब्राह्मण समाजोत्थान सेवा संस्थान रजि. के तत्वावधान में ब्राह्मण महा मंडल महरींनी द्वारा संगठन अध्यक्ष रामविलास कटारो की अध्यक्षता में एक श्रद्धांजलि एवं शोक सभा का आयोजन किया गया। सभा में महरींनी तहसील अंतर्गत ग्राम नैनवारा निवासी पं रामेश्वर प्रसाद दुबे (सेवानिवृत्त ग्राम विकास अधिकारी) के ज्येष्ठ पुत्र एवं विनोद दुबे प्रकाश दुबे (नरे महाराज) के आदरणीय बड़ेभाई व छोट्ट दुबे के पूजनीय पिताजी एवं निशु दुबे पत्नकार के ताऊ जी प अशोक दुबे संग्रह अभीन के आत्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी विप्रजनों ने दिवंगत आत्माओं की पावन स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावपीन श्रद्धांजलि अर्पित की तथा ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दिवंगत आत्माओं को आपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें। साथ ही शोककुल परिवारों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति एवं संबल देने की कामना भी की गई इस अवसर पर श्रीप्रकाश दीक्षित रामविलास कटारो जगदीश पंडा कमलेश पंडा रामकुमार नायक, राजीव दुबे प्रधान, रामजी दुबे, बजेश रिखरिया, पुष्पेंद्र पट्टेरिया, शैलेन्द्र नायक, अजय पाण्डेय, महेंद्र दीक्षित, अवधेश नायक, आनंद त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में विप्रजन उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान’ को जनभागीदारी के साथ भत्य एवं प्रभावी ढंग से संपन्न कराएं : प्रभारी मंत्री

संवाददाता हमीरपुर। जनपद हमीरपुर में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले ‘सेवा संकल्प अभियान’ को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से आज कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के प्रभारी मंत्री एवं मा0 राज्यमंत्री जल शक्ति विभाग, उत्तर प्रदेश श्री रामकेश निषाद की अध्यक्षता में जनप्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों एवं कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में प्रभारी मंत्री श्री रामकेश निषाद ने कहा कि एक माह तक चले वाले ‘सेवा संकल्प अभियान’ के अंतर्गत निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार सभी कार्यक्रमों का नियमित एवं प्रभावी आयोजन सुनिश्चित किया जाए। प्रत्येक कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए, ताकि अभियान का संदेश अधिक से अधिक जनसामान्य तक पहुंचे और जनभागीदारी को बढ़ावा मिले। उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं नुक़ड़ नाटकों में जनपद के स्थानीय कलाकारों को अनिवार्य रूप से अवसर प्रदान किया जाए। कार्यक्रमों को स्थानीय परिवेश एवं जनभागीदारी से जोड़ते हुए आकर्षक एवं प्रभावी बनाया जाए, जिससे शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों एवं सेवा भावना का संदेश आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंच सके। प्रभारी मंत्री ने अभियान के अंतर्गत निर्धारित 13 प्रमुख कार्यक्रमों की कार्यक्रमवार समीक्षा संबंधित नोडल अधिकारियों के साथ की तथा प्रत्येक कार्यक्रम की तैयारियों, कार्ययोजना एवं क्रियान्वयन की स्थिति की

विस्तृत कार्ययोजना से जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया गया। अभियान का शुभारंभ 17 सितंबर को ‘सेवा दिवस’ के रूप में किया जाएगा। इसके अंतर्गत विभिन्न जनसेवा एवं जनभागीदारी से जुड़े कार्यक्रम आयोजित होंगे। ‘चित्र सेवा’ कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों में ‘विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश’ विषय पर चित्रकला, भाषण एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। ‘अनकही नमो सेवा’ के माध्यम से ‘मेरे सपनों का भारत’ विषय पर ऑडियो एवं कहानियों के माध्यम से जनजागरूकता कार्यक्रम होंगे। ‘आंग मिलन सेवा’ के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों पर उत्सव आयोजित कर उत्कृष्ट माताओं एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों/आशा बहुओं का सम्मान, हेल्दी बेबी प्रतियोगिता तथा बच्चों को आवश्यक सामग्री एवं अतिरिक्त पोषाहार का वितरण किया जाएगा। ‘सेवा कहानी’ डिजिटल रील अभियान के माध्यम से विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं अवस्थापना परियोजनाओं से लाभान्वित लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों की सफलता की कहानियां डिजिटल माध्यम से प्रसारित की जाएंगी। ‘सेवा सेतु’ शिविरों में पात्र लाभार्थियों को मिलंगा योजनाओं का लाभ * अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक विकासखंड एवं नगर निकाय स्तर पर सात दिवसीय बहुउद्देशीय ‘सेवा सेतु’ शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के आवेदन एक ही स्थान पर भ्रवाने, पात्रता का सत्यापन करने तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाने की कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य मेले एवं दिव्यांग कल्याण शिविरों के माध्यम से भी पात्र

आईजीआरएस की 20 से अधिक शिकायतों वाले गांवों में चौपालों की समीक्षा, फोटो व तथ्यपरक रिपोर्ट न देने पर तय होगी जवाबदेही



हमीरपुर। जिलाधिकारी हमीरपुर श्री अभिषेक गोयल द्वारा जनसुनवाई के दौरान जनपद के दूरदराज क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याएँ सुनी गई तथा संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने गृाल मीट के माध्यम से जनपद की समस्त

तहसीलों के उपजिलाधिकारियों एवं खंड विकास अधिकारियों से संवाद कर तहसीलवार एवं विकासखंडवार स्थिति की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। आईजीआरएस की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने 20 से अधिक शिकायतों वाले चिन्हित ग्रामों में आयोजित चौपालों की प्रगति की जांच एवं स्थायी कार्ययोजना तैयार

आदित्य बिड़ला इंटरमीडिएट कॉलेज, रेणुकूट में जनपद स्तरीय संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता आयोजित



सोनभद्र । हिण्डालको द्वारा संचालित आदित्य बिड़ला इंटरमीडिएट कॉलेज, रेणुकूट में उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम्, लखनऊ द्वारा जनपद स्तरीय संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मेजबान विद्यालय सहित जनपद के 15 विद्यालयों के लगभग 80 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कक्षा 6 से 12 के स्तर पर सम्पन्न होने वाली इस प्रतियोगिता में संस्कृत भाषा में गीत गायन व सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि एच आर हेड एवं हिण्डालको के समस्त विद्यालयों के प्रबन्धक श्री अजय कुमार सिन्हा, विशिष्ट अतिथि श्री यशवंत कुमार, प्रमुख जनसंपर्क एवं प्रशासन विभाग तथा अति विशिष्ट अतिथि हिण्डालको आई.टी. विभाग प्रमुख श्री सुनील कांत पाण्डेय, जनसंपर्क विभाग से प्रशान्त श्रीवास्तव, मेजबान विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री दयानन्द शुक्ल, उप-प्रधानाचार्य श्री विजय भगवत पाटिल ने अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ मिलकर मौँ संस्कृती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य, उप-प्रधानाचार्य व वरिष्ठ शिक्षक-शिक्षिकाओं ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि तथा अन्य गणमान्य अतिथियों का पुष्प गुच्छ, अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंटकर एवं बैज लगाकर स्वागत किया। विद्यार्थियों के मंगलाचरण से आरम्भ हुई इस प्रतियोगिता में विद्यालय की संगीत शिक्षिका ज्योति मिश्रा के निर्देशन में छात्राओं ने खूबसूरत स्वागत गीत भी प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता के जनपद संयोजक एवं मेजबान विद्यालय के शिक्षक श्री विवेक कुमार पाण्डेय ने स्वागत भाषण के साथ सभी को प्रतियोगिता व उसके नियमों से परिचित कराया। मुख्य अतिथि महोदय ने अपने उद्बोधन में संस्कृत भाषा को प्रत्येक भाषा की जननी बताते हुए उस पर गर्व करने को कहा। साथ ही संस्कृत की उपयोगिता एवं उसके महत्व को बताते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए अत्यन्त आवश्यक हैं। प्रतियोगिता के संस्कृत गीत गायन में मेजबान विद्यालय आदित्य बिड़ला इंटरमीडिएट कॉलेज, रेणुकूट की सोम्या सिंघल ने प्रथम, आदित्य बिड़ला इंटरमीडिएट कॉलेज, रेणुसागर की अल्का यादव ने द्वितीय तथा आदित्य बिड़ला इंटरमीडिएट कॉलेज, रेणुसागर के ही प्रिन्स कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में आदित्य बिड़ला इंटरमीडिएट कॉलेज, रेणुकूट की सोम्या राय ने प्रथम, आदित्य बिड़ला इंटरमीडिएट कॉलेज, रेणुसागर की नव्या सिंह ने द्वितीय तथा आदित्य बिड़ला इंटरमीडिएट कॉलेज, रेणुकूट की ही कृतिका सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं के साथ-साथ सभी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, अति विशिष्ट अतिथि, प्रधानाचार्य एवं उप-प्रधानाचार्य द्वारा प्रमाण-पत्र एवं पदक देकर सम्मानित किया गया।

राष्ट्रगान के साथ सम्पन्न हुए इस कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम संयोजक विवेक कुमार पाण्डेय ने किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में श्री नागेन्द्र दुबे, श्री प्रदीप कुमार पाण्डेय, श्री अश्वनी राय तथा डॉ. संजय त्रिपाठी रहे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में गणमान्य अतिथियों तथा विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के साथ-साथ अन्य विद्यालयों से आए शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का सहयोग अत्यन्त सराहनीय रहा।

24 सितंबर को एक दिन, एक साथ रोपे जाएंगे 800 हरिशंकरी पौधे

ललितपुर ललितपुर में पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से नई दिशा देने की तैयारी है 24 सितंबर को जनपद की सभी 415 ग्राम पंचायतों और सभी नगरीय क्षेत्र के 58 वार्डों सहित लगभग 800 स्थानों पर एक ही दिन एक साथ हरिशंकरी पौधों का रोपण किया जाएगा। खास बात यह होगी कि पौधा लगाने तक ही अभियान सीमित नहीं रहेगा बल्कि प्रत्येक पौधे के संरक्षण की जिम्मेदारी भी निर्धारित कर चार वर्षों तक उसके पालन-पोषण का संकल्प लिया जाएगा इसी उद्देश्य को लेकर मंगलवार को विकास भवन सभागार में राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता की अध्यक्षता में अभियान की द्वितीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ सामाजिक संगठनों स्वयंसेवी संस्थाओं एवं अभियान से जुड़े प्रमुख पदाधिकारियों ने सहभागिता की और 24 सितंबर को होने वाले सामूहिक पौधरोपण की तैयारियों को अंतिम रूप देने पर मंथन किया हर ग्राम पंचायत और हर वार्ड बनेगा अभियान का केंद्र बैठक में तय किया गया कि हरिशंकरी पौधरोपण को प्रशासनिक कार्यक्रम के बजाय जनभागीदारी का पर्यावरणीय एवं सांस्कृतिक अभियान बनाया जाएगा विकासखंड एवं नगर स्तर पर स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों कर्मचारियों और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय बैठकें कर पौधरोपण स्थलों का चयन किया जाएगा

स्वामी, एवं प्रकाशक देवेन श्याम द्वारा राम प्रिंटिंग प्रेस, न्यू यादव बाजार इटौली काकोरी, लखनऊसे मुद्रित करवाकर कार्यालय एच०आई०जी०-ए10/2, टिकैत राय, एल०डी०ए कालोनी, राजाजीपुरम् लखनऊ-47 से प्रकाशित । सम्पादक: अवतिका देवेन श्याम मो०नं०- 7007960727, 9820014904 Email-yugsrishiti02@gmail.com, web-www.yugsrishiti02 , पी.आर.बी. एक्ट के तहत इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय मान्य ।

